Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
# संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

वर्ष: 11 अंक: 113 | जयपुर, शुक्रवार, 27 सितम्बर 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

### पीएम मोदी ने 3 परम रुद्र सुपरकंप्यूटर लॉन्च किए: बोले

## हमारी सरकार साइंस-टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दे रही, 2035 तक हमारा स्पेस स्टेशन होगा

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वर्चुअली तीन परम रुद्र सुपर कंप्यूटर और मौसम व जलवायु रिसर्च के लिए एक हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम लॉन्च किया। इस मौके पर पीएम ने कहा कि कोई देश तभी बड़ी उपलब्धियों पर निशाना लगा सकता है, जब उसका विजन बड़ा हो। तकनीक को अपग्रेड करने का काम गरीबों को सशक्त बनाने के लिए किया जाना चाहिए। पीएम ने कहा कि हमारी सरकार साइंस, टेक्नोलॉजी और रिसर्च को प्राथमिकता दे रही है। मिशन गगनयान की तैयारी शुरू हो गई है और 2035 तक हमारा अपना स्पेस स्टेशन होगा। ये सुपरकंप्यूटर भारत के नेशनल सुपर-कंप्यूटिंग मिशन के तहत तैयार किए गए हैं। इनकी लागत 130 करोड़ रुपए है। आत्मनिर्भर बनने के लिए साइंस का इस्तेमाल करना हमारा मिशन है। आज का भारत संभावनाओं के अनंत आसमान में नई राह गढ़ रहा है। हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए है कि तकनीक का फायदा आम आदमी को मिले। नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत लॉन्च किए गए तीनों सुपर कंप्यूटर यह परियोजना नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन का हिस्सा है, जिसका मकसद शिक्षा, शोध और स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में भारत के सुपरकंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। इस मिशन के तहत, पहला स्वदेशी रूप से असेंबल किया गया।

### 22,600 करोड़ रुपए की कई अन्य परियोजनाएं स्थगित

परम रुद्र सुपरकंप्यूटर की लॉन्चिंग के साथ पीएम मोदी आज वर्चुअली विभिन्न क्षेत्रों के लिए 22,600 करोड़ रुपए की कई अन्य परियोजनाओं को लॉन्च करने वाले थे। हालांकि, मुंबई और पुणे में भारी बारिश के कारण यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। 850 करोड़ रुपए का हाई-परफॉर्मिंग कंप्यूटिंग सिस्टम का भी उद्घाटन किया, जो कि मौसम और जलवायु रिसर्च के लिए तैयार किया गया है।

### परम रुद्र सुपरकंप्यूटर को तीन जगह स्थापित किया गया

इन तीनों सुपर कंप्यूटर्स को तीन जगहों पर स्थापित किया गया है: दिल्ली, पुणे और कोलकाता। पुणे में जाइंट मीटर रेडियो टेलीस्कोप इस सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल फास्ट रेडियो बर्स्ट्स और अन्य एस्ट्रोनॉमिकल इवेंट्स की स्टडी करने के लिए करेगा। दिल्ली में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर मटेरियल साइंस और एटॉमिक फिजिक्स जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देगा। कोलकाता में एस एन बोस सेंटर इस सुपरकंप्यूटिंग तकनीक का इस्तेमाल उन्नत अनुसंधान के लिए करेगा, जिसमें फिजिक्स, कॉस्मोलॉजी और अर्थ साइंस जैसे क्षेत्र शामिल हैं। 850 करोड़ रुपए का हाई-परफॉर्मिंग कंप्यूटिंग सिस्टम का भी उद्घाटन किया, जो कि मौसम और जलवायु रिसर्च के लिए तैयार किया गया है। 850 करोड़ रुपए का हाई-परफॉर्मिंग कंप्यूटिंग सिस्टम का भी उद्घाटन किया, जो कि मौसम और जलवायु रिसर्च के लिए तैयार किया गया है। पीएम मोदी ने 850 करोड़ रुपए का हाई-परफॉर्मिंग कंप्यूटिंग सिस्टम का भी उद्घाटन किया, जो कि मौसम और जलवायु रिसर्च के लिए तैयार किया गया है। आज का दिन विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि का दिन है। पीएम ने कहा कि ऐसा कोई सेक्टर नहीं है जो टेक्नोलॉजी और कंप्यूटिंग की क्षमताओं पर निर्भर नहीं करता है। इस क्रांति में हमारा योगदान बिट्स और बाइट्स में नहीं, बल्कि टेराबाइट्स और पीटाबाइट्स में होना चाहिए।

### मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कांग्रेस पर हमला बोले

## मोदी की सशक्त राजनीति ने विपक्षी नेता को कुर्ते के ऊपर जनेऊ पहनने को मजबूर किया

संजीवनी टुडे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को सोनीपत में कांग्रेस पर हमला बोला। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सशक्त राजनीति ने विपक्ष के नेता को कुर्ते के ऊपर जनेऊ पहनने को मजबूर किया है। विपक्षी पार्टियों को अपनी राजनीति बदलनी पड़ी है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने देश में सबसे ज्यादा राज किया। जनता को बरगलाया और उसने सिर्फ लूट और झूठ का ही काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही देश में भ्रष्टाचार की जननी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में वर्ष 2014 से पहले देश में होने वाले भ्रष्टाचार और घोटालों को सभी जानते हैं। लेकिन 2014 के बाद आमजन ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगते देखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान सम्मान निधि और क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए किसानों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब किसानों का बाजरा 1200 से 1300 रुपए प्रति क्विंटल की कीमत पर बिका, वहीं हरियाणा में बीजेपी सरकार में 2200 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक की कीमत पर बाजरा बिका। 2014 से पहले देश में बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, भीड़ वाली जगहों पर बम विस्फोट की घटनाएं होती थी, लेकिन अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद और दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को कांग्रेस के पिछले घोषणा पत्रों को भी देखना चाहिए, किस प्रकार उसने जनता से झूठे वायदे किए। इन्दिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह और राहुल गांधी ने भी गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन इनका गरीबों से कभी कोई वास्ता नहीं रहा।

### संजीवनी घोटाले के फैसले को लेकर गहलोत बोले

## शेखावत जांच रिपोर्ट के पेज सात पर दोषी थे, अब एसओजी ने यू-टर्न लिया

संजीवनी टुडे

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत को कोर्ट से संजीवनी मामले में क्लीन चिट के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार किया है। गहलोत ने कहा कि संजीवनी प्रकरण को लेकर केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दायर एक मुकदमे में हाईकोर्ट का फैसला वर्तमान में अदालत के सामने एसओजी द्वारा रखे गए तथ्यों के आधार पर आया है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद एसओजी ने हाईकोर्ट में यू-टर्न ले लिया। इस केस के जांच अधिकारी को भी हटा दिया गया एवं भाजपा सरकार द्वारा नामित सरकारी वकीलों ने भी केन्द्रीय मंत्री का ही पक्ष लिया। इस सबके बावजूद हाईकोर्ट ने मंत्री की याचिका के अनुरूप एफआईआर को रद्द नहीं किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की इजाजत लेकर आगे कार्रवाई की जा सकती है। एसओजी द्वारा 12 अप्रेल 2023 को राजकीय अधिवक्ता को लिखे गए पत्र में इस केस की तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजी, जिसके पेज नंबर 7 पर केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत एवं उनके परिजनों की अपराध में संलिप्तता होने की बात लिखी और आरोपी माना। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि जिन कंपनियों की संलिप्तता संजीवनी घोटाले में हैं, उनसे गजेंद्र सिंह शेखावत का सीधा संबंध है। इस केस के सैकड़ों पीडितों ने मुझसे मुलाकात की तब मैंने एसओजी से इस मामले की जानकारी मांगी। तब एसओजी ने गृहमंत्री के रूप में मुझे इन तथ्यों एवं इस प्रकरण की प्रगति से अवगत करवाया। मेरा शेखावत के प्रति कोई व्यक्ति द्वेष नहीं था। एसओजी की इस ब्रीफिंग के आधार पर ही मैंने मीडिया के सामने शेखावत एवं उनके परिजनों पर लगे आरोपों की जानकारी सामने रखी। जिससे पता चले कि कांग्रेस शासन में एसओजी द्वारा गलत जांच की गई या अभी दबाव में एसओजी ने गलत रिपोर्ट तैयार की है। कांग्रेस सरकार के समय इस केस में एसओजी ने फॉरेंसिक ऑडिट तक करवाकर भी जांच की थी। मेरा उद्देश्य लाखों पीडितों के साथ न्याय सुनिश्चित कर उनके जीवन की मेहनत की कमाई वापस उनको दिलवाने का है।

### उनकी माताजी के प्रति पूरा सम्मान

शेखावत ने कल भी अपने बयानों में अपनी स्वर्गीय माताजी पर लगे आरोपों का जिक्र किया। मेरा उनकी स्वर्गीय माताजी के प्रति पूरा सम्मान है लेकिन राज्य के गृहमंत्री के रूप में मेरे सामने लाए गए तथ्यों को पीडितों एवं जनता के सामने रखा जाना मेरा कर्तव्य था। अब राज्य में सरकार बदलने के बाद एसओजी पर भाजपा सरकार ने दबाव बनाया, जिसके कारण एसओजी ने कोर्ट में यू-टर्न लिया और इन्हें आरोपी नहीं माना है। मेरी मांग है कि निष्पक्ष जांच के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी बनाकर इस प्रकरण की जांच की जाए।

### शाह बोले- अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

## जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था, फारूक लंदन में महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे

संजीवनी टुडे

श्रीनगर। गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे हैं। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे? वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जब यहां न धारा-370 है और न ही अलग झंडा है। जम्मू-कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा।

### जम्मू-कश्मीर में दूसरे फ़ेज में 57.03% मतदान

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर बुधवार, 25 सितंबर को मतदान हुआ। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इन सीटों पर 57.03% वोटिंग हुई। यह पिछले चुनाव के मुकाबले 3% कम है। 2014 में इन सीटों पर 60% मतदान हुआ था। जम्मू-कश्मीर चीफ इलेक्शन ऑफिसर पीके पोल ने बताया कि मतदान प्रतिशत में बदलाव हो सकता है। क्योंकि कुछ पोलिंग बूथ पर शाम 6 बजकर 45 मिनट तक मतदान हुआ। 25.78 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सबसे ज्यादा रियासी में 74.70%, जबकि श्रीनगर में सबसे कम 29.81% वोट पड़े। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। हमारी सरकार ने धारा-370 को खत्म कर दिया। अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। कांग्रेस, गए जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। उमर अब्दुल्ला और राहुल कह रहे थे कि हम जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप? अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार ने 70 साल तक जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। अभी-अभी राहुल गांधी यहां आए थे।

## पुणे पोर्श केश, पुलिस ने सप्लीमेंट्री फाइनल रिपोर्ट दाखिल की

संजीवनी टुडे

### नाबालिग आरोपी के खिलाफ सबूत मिटाने, जालसाजी करने और भ्रष्टाचार करने का मामला जोड़ा

मुंबई। पुणे पोर्श केस में पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने गुरुवार को सप्लीमेंट्री फाइनल रिपोर्ट सब्मिट की। पुलिस ने 17 साल के आरोपी के खिलाफ ऋए की धारा 201 (सबूत मिटाने), 213 (अपराधी को छिपाने के लिए उपहार लेना), 214 (अपराधी को छिपाने के लिए उपहार या संपत्ति वापस देने की पेशकश), 466, 467, 468, 471 (जालसाजी से जुड़े अपराध) के तहत आरोप जोड़े हैं। इसके अलावा नाबालिग आरोपी पर भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। उस पर अपने माता-पिता, ससून अस्पताल के डॉक्टरों और कुछ दलालों के साथ मिलकर अपने खून के सैंपल बदलने का आरोप है, ताकि यह छिपाया जा सके कि घटना के समय वह नशे में था। साथ ही पुलिस ने घटना के समय कार की स्पीड से जुड़ा टेक्निकल डेटा और गवाहों के बयान भी शामिल किए हैं। इससे पहले जून में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट सब्मिट की थी, जिसमें नाबालिग पर आईपीसी के सेक्शन 304 के तहत गैर इरादतन हत्या का चार्ज लगाया गया था। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 18 मई की रात 17 साल 8 महीने के एक लड़के ने ऋ्त्न सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था। आरोपी के वकील ने जुवेनाइल बोर्ड से गए देने की अपील की वहीं, आरोपी के वकील ने गुरुवार को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में एक याचिका दाखिल कर कहा कि उसे दिल्ली के मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में एडमिशन नहीं मिल रहा है, क्योंकि संस्थान जुवेनाइल बोर्ड का नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मांग रहा है। हालांकि बाद में वकील ने यह याचिका वापस ले ली। पोर्श मामले में 9 लोगों की गिरफ्तारी पुणे पुलिस के अनुसार, अब तक मामले में 9 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुणे पुलिस ने 25 जुलाई में 7 लोगों के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र रचने, सबूत मिटाने और ब्लड सैंपल बदलने के आरोप में केस दर्ज किया था।

### बिहार में जिउतिया पर्व के दौरान डूबने से 43 मौतें

## इनमें 37 बच्चे, 16 जिलों में हादसे, औरंगाबाद में सबसे ज्यादा 10 की जान गई

संजीवनी टुडे

पटना। बिहार में जिउतिया पर्व के दौरान नदी और तालाबों में नहाने के दौरान हादसों में अब तक 43 की मौत हो गई। इनमें 37 बच्चे और 6 महिलाएं शामिल हैं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। ये हादसे 24 और 25 सितंबर को हुए। सबसे ज्यादा 10 मौतें औरंगाबाद जिले में हुई हैं। यहां दो अलग-अलग घटनाओं में 8 बच्चे डूब गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। अभी कई लोग लापता हैं। इन्हें खोजने का काम जारी है। ये हादसे राज्य के 16 जिलों में हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। जिउतिया या जीवित्पुत्रिका व्रत मुख्य तौर पर बिहार, झारखंड और पूर्वी यूपी के कुछ हिस्से में होता है। महिलाएं इस दिन अपनी संतान की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य के लिए 24 घंटे तक बिना कुछ खाए-पीए व्रत रखती हैं। इसमें भगवान जीमूतवाहन की विधिपूर्वक पूजा होती है। व्रत के दिन सुबह उठकर नहाने के बाद सूर्य देव की पूजा की जाती है।

### औरंगाबाद जिले में 8 मौतें, 2 बच्चियां लापता

औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र के ईटहट में 5 किशोरियां व्रती महिलाओं के साथ तालाब में नहाने गई थीं। महिलाएं स्नान कर पास के मंदिर में पूजा करने चली गईं। किशोरियां नहाती रहीं। इसी दौरान एक किशोरी निशा डूबने लगी। उसे बचाने सगी बहन अंकू गई। वह भी डूबने लगी। दोनों को डूबता देख बाकी किशोरियां आगे बढ़ीं। सूचना पर स्थानीय लोग पहुंचे। उन्हें बचाने के लिए तालाब में कूदे। तब तक चार बच्चियां डूब चुकी थीं। एक बच्ची राशि को किसी तरह बचा लिया गया। दूसरी घटना औरंगाबाद के ही मदनपुर के कुशहा गांव की है। यहां भी जिउतिया में नहाने के दौरान हादसा हुआ। महिलाएं जौ बुन रहीं थीं, इसी दौरान 18 बच्चे आहर में नहाने लगे। सभी डूबने लगे। 14 बच्चों को लोगों ने बचा लिया, लेकिन 4 डूब गए। ग्रामीणों का आरोप है कि आहर की खुदाई के दौरान एक जगह गहरा गड्?ढा कर दिया गया था, उसी में 3 बच्चियां और एक बच्चा डूब गया। दो बच्चियां डूबी हैं लेकिन उनके शव नहीं मिले हैं। घर के मंदिर में एक थाली में सूर्य नारायण की मूर्ति को स्थापित किया जाता है। उन्हें दूध से स्नान कराया जाता है। भगवान को दीपक और धूप अर्पित करके उनको भोग लगाकर आरती करते हैं।

### बिलकिस बानो: एससी का टिप्पणियां हटाने से इनकार

## फिर से विचार करने की जरूरत नहीं, गुजरात सरकार की अर्जी खारिज

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (26 सितंबर) को बिलकिस बानो केस में गुजरात सरकार की अर्जी खारिज कर दी। अर्जी में गुजरात सरकार ने मांग की थी कि इस केस में दोषियों की रिहाई से जुड़े आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणियां की थीं उन्हें हटा दिया जाए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नहीं है, फैसले की समीक्षा के लिए दाखिल अर्जी में कोई मेरिट नहीं है, जिससे आदेश पर फिर विचार किया जाए। अर्जी खारिज की जाती हैं।' 8 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ बलात्कार और उसके परिवार की हत्या के दोषी 11 लोगों की समयपूर्व रिहाई को रद्द कर दिया था। फैसला सुनाते वक्त जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा- सजा अपराध रोकने के लिए दी जाती है। पीड़ित की तकलीफ की भी चिंता करनी होगी। गुजरात सरकार को रिहाई का फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है। उसने अपनी सत्ता और ताकत का दुरुपयोग किया है। बेंच ने सभी 11 दोषियों को 2 सप्ताह में सरेंडर करने को कहा था। बिलकिस बानो केस में गुजरात सरकार ने 11 दोषियों को 15 अगस्त 2022 को रिहा कर दिया था। बिलकिस के दोषियों के खिलाफ 30 नवंबर को दाखिल की गई थी याचिका बिलकिस के 11 दोषियों की रिहाई के खिलाफ 30 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं। पहली याचिका में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें तुरंत वापस जेल भेजने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के मई में दिए आदेश पर विचार करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई पर फैसला गुजरात सरकार करेगी। बिलकिस ने कहा कि जब केस का ट्रायल महाराष्ट्र में चला था, फिर गुजरात सरकार फैसला कैसे ले सकती है?

### भारत का शुक्रयान 2028 में लॉन्च होगा

## 4 साल का मिशन, यह पृथ्वी का जुड़वां ग्रह, इसका एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। मिशन वीनस क्या है भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा। वीनस की स्टडी क्यों जरूरी है, इसके 3 कारण वीनस ग्रह को अक्सर पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है क्योंकि यह आकार और डेंसिटी (घनत्व) के मामले में पृथ्वी जैसा है।

### यह सूखा और धूल भरा ग्रह बन गया

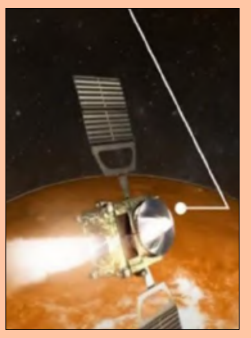

इसलिए, वीनस के अध्ययन से पृथ्वी के विकास को समझने में मदद मिल सकती है। माना जाता है कि वीनस पर भी कभी पानी था, लेकिन अब यह सूखा और धूल भरा ग्रह बन गया है। यहां टेंपरेचर 462 डिग्री सेल्सियस वीनस की सतह का तापमान लगभग 462 डिग्री सेल्सियस है। यह बुध से भी ज्यादा गर्म है, जबकि बुध सूर्य के सबसे नजदीकी ग्रह है। वीनस के ज्यादा गर्म होने की वजह ग्रीनहाउस इफ़ेक्ट है। इसमें सूर्य की गर्मी वायुमंडल में आती है तो वहीं कैद हो जाती है और वायुमंडल से बाहर नहीं जाती। इससे ग्रह की सतह ज्यादा गर्म हो जाती है। लैंडर 2 घंटे से ज्यादा काम नहीं कर पाया वीनस की गर्मी के कारण यहां अब तक भेजे गए लैंडर दो घंटे से ज्यादा काम नहीं कर पाए हैं। इसके वायुमंडल का दबाव भी पृथ्वी से बहुत ज्यादा है। आसान भाषा में समझें तो, यहां इतना प्रेशर है, जितना पृथ्वी में समंदर के नीचे महसूस होता है। वीनस का एक चक्कर पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर शुक्र पृथ्वी की तुलना में अपनी धुरी पर बहुत धीरे घूमता है। शुक्र का एक चक्कर लगभग पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। वीनस अन्य ग्रहों की तुलना में अपनी धुरी पर उल्टा (पूर्व से पश्चिम) घूमता है। इसका मतलब है कि शुक्र ग्रह पर सूर्य पश्चिम में उगता है और पूर्व में अस्त होता है।

## खबरें फटाफट

### अक्ष द्वारा आयोजित किया ई-मित्र प्रशिक्षण एवं आई कार्ड वितरण समारोह

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। स्थानीय सेवा प्रदाता अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड द्वारा आज पंचायत समिति सिकराय में कार्यरत सभी ईमित्र धारकों को प्रशिक्षण एवं आई कार्ड वितरण किए गए। अक्ष ऑप्टीफाइबर लिमिटेड के जिला समन्वयक मनराज गुर्जर ने बताया कि दौसा जिले में संचालित सभी कियोस्क धारकों को प्रत्येक ब्लॉक वाइज प्रशिक्षण देकर आई कार्ड वितरण किया जा रहे हैं प्रशिक्षण में कियोस्क धारकों को राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही बहुउद्देशीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना एव किसी भी प्रकार की ओवर चार्जिंग ना करना एवम् विभागीय दिशा निर्देशकों की पालन करना। प्रशिक्षण में आए सभी मित्र धारकों को आई कार्ड वितरण किया प्रशिक्षण स्थल पर प्रोग्रामर विकास पोसवाल जी, सुचना सहायक नीलम जी एवं ईमित्र धारक मुनेश सैनी संजय मीणा बनवारी बैरवा पिंटू सैनी कृष्णा नवल विक्रम योगेश सैनी विष्णु लक्की आदि उपस्थित रहे।

### पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का आयोजन शनिवार को

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के नवीन बस स्टैंड पर श्री श्याम सेवा समिति की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का आयोजन शनिवार 28 सितंबर को आयोजित होगा। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष जगदीश सैनी ने गुरुवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि श्री श्याम सेवा समिति की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम प्रभु का संकीर्तन 28 सितंबर शनिवार को रात्रि 9 बजे से आयोजित होगा। श्री श्याम जागरण में भजन प्रवाहक चण्डीगढ़ से मंयक अग्रवाल, फतियाबाद से नरेश नरसी, वृंदावन से दीदी माधवी शर्मा, इंदौर से विशि सौरभ शर्मा बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि जागरण में बाबा श्याम का अलौकिक दरबार सजाया जाएगा। श्री श्याम संकीर्तन में इत्र वर्षा, लक्की ड्रा, फुलों की होली, छप्पन भोग आकर्षण का केंद्र होंगे।

### नीमला में पंचायत भवन पर डाक चौपाल का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़। ग्राम पंचायत नीमला में डाक विभाग द्वारा डाक चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत डाक विभाग के अधिकारियों द्वारा विभाग की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। अल्प बचत योजनाओं के तहत दस वर्ष तक की बलिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले गये। मौके पर आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा भी प्रदान की गयी। कैम्प में पचास से अधिक खाते खोले गये। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य सविता शर्मा, सहायक अधीक्षक डाक परिमण्डल कार्यालय जयपुर लक्ष्मी मीणा, डाकघर निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद सैनी, महावीर शर्मा, पत्रकार नेमी नीमला, केदार शर्मा, लोकरतन शर्मा, आशु चौला, बनवारी लाल सहित अनेक ग्रामीण और महिलाये उपस्थित थी।

### खोया-पाया

जी.डी. नंबर : 063 दिनांकः 24/09/2024

**गुमशुदगी दस्तावेज**

श्री राकेश कुमार पुत्र कन्हैया लाल शर्मा जाति ब्राह्मण उम्र 45 साल निवासी शास्त्री नगर मालपुरा, थाना मालपुरा जिला टोंक ने उप. थाना होकर एक लिखित तहरीर रिपोर्टमय स्टाम में आशय पेश किया कि मेरा बचत खाता बैंक आफ बडोदा शाखा मालपुरा सुभाष सर्किल में है जिसकी खाता संख्या 13880100019913 हैं।12 सितम्बर 2014 को किसी काम से बस स्टेण्ड मालपुरा गया तो मेरी दो चेक बुक कही गिर गई जिसमें कुछ चैक मेरे हस्ताक्षर युक्त थे मैंने बैंक आफ बडोदा मालपुरा में उनको बन्द करवा दिया है। इसकी काफी साथ में लगा दी है जिसके नम्बर 1,6,12 से 15, और 16,17, और 19 से 30 में कोई अज्ञान व व्यक्ति भविष्य में इसका गलत उपयोग नहीं करे। इत्यादी मजमुन रिपोर्ट से मामला गुमशुदगी दस्तावेज का पाया जाने पर घट गुमशुदगी दर्ज है। रिपोर्ट दर्ज है।

## कलक्टर बालमुकुंद असावा ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की पहली बैठक

# शिकायतों के निस्तारण में महज औपचारिकता स्वीकार नहीं, राहत भी पहुंचाएं: कलक्टर

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने गुरुवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की अपनी पहली बैठक में अधिकारियों को कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में उन्होंने बजट घोषणाओं की डिटेल में समीक्षा की। संबंधित विभाग के अधिकारी से कहा कि टाइम लाइन बताएं, किस तारीख तक काम पूरे हो जाएंगे, अभी घोषणा की क्या प्रगति है, आगे की क्या योजना है, भूमि चिन्हित हुई या नहीं, आदि। समीक्षा के दौरान बजट घोषणाओं से संबंधित विभागों जैसे पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन, नगर परिषद, चिकित्सा आदि ने प्रगति से अवगत कराया। कलक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी बजट घोषणाओं को लेकर गंभीर रहें और इन्हें शीघ्र धरातल पर उतारें। भूमि चयनित करने से लेकर आवंटन में कोई समस्या न हो इसके लिए भूमि देखते वक्त जॉइंट विजिट करें। बजट घोषणाओं को लेकर अनावश्यक विलंब न करें। जहाँ जरूरत हो संवाद करें। कलक्टर ने बैठक में 3530 करोड़ रुपए की लागत से जाखम बांध आधारित वृहद पेयजल परियोजना, 150 करोड़ रुपए की लागत से राजसमंद बांध में जल की आवक में अभिवृद्धि करने हेतु खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढ़ाने के लिए जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य, भीम में ड्रेनेज सिस्टम एवं रोड लाईट के कार्य, विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के क्रमोन्नयन, विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य आदि समस्त बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की। राज्य के सभी जिलों के लिए की गई कॉमन घोषणाओं की भी प्रगति जानी। बैठक में एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, एसडीओ बृजेश गुप्ता सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। कलक्टर बालमुकुंद असावा जिला चिकित्सालय के उन्नयन संबंधी घोषणा की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएमओ डॉ रमेश रजक से जिला चिकित्सालय की वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं पर पूरी जानकारी ली। इसके बाद पूछा कि जब मरीज अस्पताल में जांच करवाने आते हैं तो उनके मोबाइल तक जांच रिपोर्ट पहुँचती है या नहीं, क्या उन्हें रिपोर्ट लेने अस्पताल आना पड़ता है? इस पर पीएमओ ने बताया कि वर्तमान में यह व्यवस्था लागू नहीं है। इस पर कलक्टर ने कहा कि आईएचएमएस सॉफ्टवेयर पर तकनीकी पहलुओं को समझते हुए सुधार करके आगामी 15 दिवस के अंदर अंदर मरीजों की जांच रिपोर्ट उनके मोबाइल तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें, वे इसकी समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही आयुष्मान योजना की समीक्षा की। कलक्टर बालमुकुंद असावा ने संपर्क पोर्टल की समीक्षा के दौरान पाया कि कई विभागों द्वारा पोर्टल पर शिकायतों का निस्तारण तो किया जा रहा है लेकिन परिवादी इससे संतुष्ट नहीं है। इस पर कलक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी पोर्टल पर गलत सूचना दर्ज न करें, परिवादी की समस्या का पहले अच्छे से समाधान कर उसे राहत दें और फिर रिपोर्ट दर्ज करें। जवाब अपलोड करते समय राहत संबंधी फ़ोटो भी अपलोड करें, केवल औपचारिकता न करें। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी संपर्क की नियमित मॉनिटरिंग करें और शिकायतकर्ता से स्वयं फोन पर बात करें। अधिकारी ग्राउंड पर जाकर विजिट करें। परिवादियों से संवाद कर उसकी समस्या को समझेंगे तो बेहतर समाधान होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अच्छे से काम करेंगे तो शिकायतें भी अपने आप कम हो जाएगी। कलक्टर ने यह भी कहा कि वे कलेक्ट्रेट से परिवादियों को फोन कॉल करवा कर पूछेंगे कि राहत मिली या नहीं। अगर किसी अधिकारी ने राहत पहुंचाने में लापरवाही की तो अधिकारी नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

## शिवदासपुरा पुलिस की कस्टडी से भागे दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

शिवदासपुरा। पुलिस की जीप से गुरुवार को 2 बजे चोरी के मामले में अरेस्ट दो बदमाश फरार हो गए थे और वही जिनको 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चाकसू थाना पुलिस ने एक बाजरे के खेत से दबोचा गया है और चाकसू एसएचओ राजूराम बामनिया ने बताया कि शिवदासपुरा पुलिस चोरी के मामले में गिरफ्तार 4 आरोपियों को चाकसू न्यायालय में पेश करने लाई थी और कोर्ट में पेश करने के बाद जब वह वापसी में थोड़ी सी दूर जाते ही स्पीड ब्रेकर पर जीप की स्पीड कम हुई तो दो बदमाश जीप से कूदकर भाग गए थे और जीप में मौजूद पुलिस वालों ने तुरंत चाकसू पुलिस को इतला दी गई थी और सूचना पर पहुंची चाकसू थाना पुलिस ने फरार मुजरिमों को ढूंढना शुरू किया गया था और इस दौरान टिगरिया के पास एक बाजरे के खेत में फरार मुजरिमों का मूवमेंट दिखाई दिया और पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए दोनों आरोपियों को खेत से दबोच लिया गया है और दोपहर 2 बजे फरार हुए मुजरिमों को लगभग 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 4 बजे पकड़ने में सफलता मिली है और दोनों बदमाश आकाश और सूरज यूपी के हरदोई निवासी हैं। चाकसू थाना पुलिस ने दोनों मुजरिमों को शिवदासपुरा पुलिस के हवाले कर दिया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

## प्रभारी सचिव ने किया राजगढ सीएचसी एवं भौरंगी गोशाला का किया निरीक्षण

संजीवनी टुडे

### भर्ती मरीजों, परिजनों एवं आमजन से चिकित्सा व्यवस्था व सरकारी योजनाओं का लिया फीडबैक

राजगढ़(अलवर)। राजस्व विभाग के विशिष्ठ शासन सचिव एवं जिला प्रभारी सचिव नरेन्द्र कुमार गुप्ता ने गुरुवार को राजगढ उपखण्ड में सामुदायिक उप स्वास्थ्य केंद्र राजगढ एवं भौरंगी गोशाला का औचक निरीक्षण किया।

प्रभारी सचिव गुप्ता ने सामुदायिक उप स्वास्थ्य केंद्र राजगढ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सीएचसी प्रभारी को निर्देश दिये कि साफ-सफाई व्यवस्था में और सुधार करें। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना सहित अन्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजनाओं से सभी पात्र व्यक्तियों को त्वरित लाभांवित कराया जावे। उन्होंने भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया जिनमें मरीजों ने अस्पताल में ही सभी प्रकार की दवा एवं जांचें निःशुल्क होना बताया। प्रभारी सचिव ने भौरंगी गोशाला का दौरा किया। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित तौर पर गोशाला का निरीक्षण करें। सभी गायों का टीकाकरण नियमित तौर पर करावे। उन्होंने अनुदान आदि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को गोशाला की भूमि संबंधी मामले का नियमानुसार निस्तारण कराने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी सुश्री सीमा खेतान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## गुढ़ा कटला ग्राम पंचायत पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण मेले का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

बसवा। गुढ़ा कटला ग्राम पंचायत में महिला एवम बाल विकास विभाग एवम सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेंस के सयुक्त तत्वाधान में ब्लॉक लेवल पोषण मेला का आयोजन किया गया , जिसमे विभिन्न प्रकार की पोषण युक्त खाद्ध सामग्री , वृद्धि निगरानी, गोद भराई, अन्न प्रासन, पोषण परामर्श, खाद्य सुदृदीकरण की प्रदशनी लगाई गई, इसके साथ ही सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेंस द्वारा रेसिपी प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमे लोकल खाद्ध पदार्थ और पोषाहार युक्त सामग्री को प्रथम,द्वितीय, और तृतीय पुरस्कार दिया गया, महिला एवम बाल विकास विभाग अधिकारी नेहा भादुका द्वारा समुदाय और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण के महत्व और पोषाहार से बनने वाले विभिन्न खाद्ध पदार्थ के बारे में जागरूक किया गया , इस कार्यक्रम के तहत टाटा ट्रस्ट से देब स्मिता पानी के द्वारा पोषण माह के दौरान की जाने वाली गतिविधि और व्यवहार परिवर्तन के बारे विस्तार से चर्चा की गई उक्त कार्यक्रम के तहत नायब तहसीलदार गुढा कटला, महिला एवम बाल विकास विभाग से महिला पर्यवेक्षक प्रज्ञा फोजदार ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार , सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेस से डा मेहुल मेहता, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्तिक गोतम, खंड कार्यक्रम अधिकारी अंकित त्रिवेदी और गुढाकटला सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

## रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच शुरू

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया की राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के निर्देशानुसार 26 सितम्बर गुरूवार से अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) की प्रक्रिया राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव के लिए मशीनों की जांच प्रक्रिया मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में होती है। एक विधानसभा क्षेत्रा के लिए मतदान के लिए आवश्यक कुल मशीनों की संख्या के 200 प्रतिशत की प्रथम स्तरीय जांच की जाती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आज रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलुरू के 6 विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम द्वारा ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य 2 अक्तूबर तक पूरा होना संभावित है। उन्होंने बताया कि एफएलसी प्रक्रिया के दौरान ईवीएम की बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) और वीवीपीएटी की जांच की जाती है। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के दौरान लगभग 281 केन्द्रों पर मतदान होगा। इसके लिए जिले में 562 बीयू, 562 सीयू और 562 वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि एफएलसी की प्रक्रिया की मॉनिटरिंग उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजू शर्मा एवं उनके दल की गई। उन्होंने बताया कि एफएलसी के बाद ईवीएम मशीनों की प्रथम रेंडमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद की जाएगी। उन्होंने बताया कि एफएलसी के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि जितेन्द्र शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि रामप्रकाश शर्मा, आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि दिव्यन्दु शर्मा व जगन्नाथ गोयल तथा सीपीआईएम के प्रतिनिधि भोलाराम मौजूद रहे।

## गोशालाओं का निरीक्षण: तहसीलदार धनाऊ ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संजीवनी टुडे

धनाऊ। राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त गोशालाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु तहसीलदार धनाऊ ने पशु चिकित्सा अधिकारी पुनमा राम के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान भुनिया और धनाऊ स्थित गोशालाओं का दौरा किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने गोशाला संचालकों से पशुधन के चारे-पानी की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और अनुदान से संबंधित रिकॉर्ड का भी अवलोकन किया। भुनिया गोशाला में कुल 821 छोटे-बड़े पशु पाए गए, जबकि धनाऊ गोशाला में 138 पशु मौजूद थे। निरीक्षण टीम ने गोशालाओं में रख-रखाव एवं रजिस्टर संधारण की व्यवस्था की सराहना की और यह सुनिश्चित किया कि सभी जानवरों का नियमित रूप से रजिस्टर में संधारण किया जा रहा है। साथ ही, अनुदान का सही उपयोग और व्यवस्थाओं का पारदर्शी रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के लिए संचालकों को निर्देशित किया गया। पशुओं के बीमार होने पर समय पर इलाज कराने और मृत पशुओं के निस्तारण के लिए समुचित व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत भी दी गई। तहसीलदार ने कहा कि पशुओं की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गोशाला संचालकों से अनुरोध किया कि वे पशुओं की अच्छी सेहत के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करें। इस निरीक्षण से स्पष्ट है कि राज्य सरकार द्वारा गोशालाओं को दिए जा रहे अनुदान का सही उपयोग हो रहा है या नहीं, इस पर प्रशासनिक दृष्टि बनी हुई है। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाओं को लेकर संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त हुई।

## फाइनल मैच में नेटबॉल में देबावास तो रग्बी फुटबॉल में पावली ने जीता मुकाबला

संजीवनी टुडे

भीनमाल। कारलू गांव में चल रही 68वीं जिला स्तरीय छात्र-छात्रा नेटबॉल,रग्बी फुटबॉल खेलकूद प्रतियोगिता के चौथे दिन फाइनल मुकाबले खेले गये।राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कारलू में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन गांव के श्री बोटेश्वर खेल मैदान में आयोजित किया जा रहा है।पांच दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में जिलेभर की 14 गाँवो की 41टीमों ने हिस्सा लिया था ।68वीं जिला स्तरीय छात्र-छात्रा नेटबॉल,रग्बी फुटबॉल खेलकूद प्रतियोगिता में 17 एंव 19 वर्ष के खिलाड़ियों ने भाग लिया।चौथे दिन फाइनल मैच में राउमावि कोरा एंव राउमावि देबावास के बीच खेला गया।जिसमें राउमावि देबावास विजय रही।कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता सचिव प्रधानाचार्य जबरदान चारण,खेल संयोजक ईश्वरसिंह मुड़ी,नरेंद्र पालडिया,अब्दुल रऊफ,कालूराम सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। इसका रहा फाइनल में दबदबा-17 वर्ष छात्रा नेटबॉल में राउमावि देबावास,छात्र में राउमावि देबावास,नेटबॉल 19 वर्ष छात्र राउमावि मुंथलाकाबा,छात्रा में राउमावि हरजी(आहोर ),रग्बी फुटबॉल छात्रा 17 वर्ष राउमावि पावली, छात्र राउमावि पावली,रग्बी फुटबॉल 19 वर्ष छात्र दिव्य ज्योति भीनमाल,छात्रा में राउमावि पावली टीम फाइनल में विजय रही। देवाराम चौधरी,पीरसिंह, वचनाराम ए.पुरोहित, भंवरलाल राजपुरोहित,गणपतलाल पुरोहित, मफाराम पुरोहित,मंगलाराम पुरोहित, पुनमाजी पुरोहित,रतनसिंह,सुरता राम चौधरी,वचनाराम पुरोहित, जसवंतसिंह राजपूत, राजू देवासी,महेंद्र सुथार,महेंद्रकुमार दर्जी,जेरूपाराम चौधरी,गणेशा राम चौधरी,गीगाराम चौधरी,दला राम चौधरी, अर्जुनराम मेघवाल, वसनाराम मेघवाल,चमनाराम चौधरी,शंकराराम मेघवाल,घेवाराम दर्जी,हरसन कुमार पुरोहित,सुरेश दर्जी, तालिब खान,पांचाराम राणा, पप्पूसिंह मौजूद रहे।

## प्रगतिरत कार्य समय से पूर्ण हो: राठौड़

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। महात्मा गांधी नरेगा योजना की स्वीकृत कार्यों के समीक्षा बैठक मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में गुरूवार को ईडीपी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़ ने जिले के सहायक अभियंता एवं योजनाओं से संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए बताया कि स्वीकृत कार्यों को समय पर पूर्ण करें ताकि उसकी उपयोगिता समय पर मिले जो कार्य अपूर्ण है, उन कार्यों पर श्रमिक नियोजित करते हुए समय पर पूर्ण करे और कार्य की उपयोगिता एवं पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। बैठक में उन्होंने इकाई स्तर तक के अधिकारियो को नियमित रूप से क्षेत्र में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए ताकि हो रहे कार्यों की गुणवत्ता और उपयोगिता बनी रहे। बैठक में उन्होंने मनरेगा योजना के विभिन्न पैरामीटर पर ब्लॉकवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में अधिशासी अभियंता नरेश मेघवाल, विकास अधिकारी मूलाराम सोलंकी, सहायक अभियंता पुनमचंद, हरिप्रसाद बरजोड़, राकेश परमार, गंगाराम डामोर, निजी सहायक महेश पवार सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

## राजस्थान वॉलीबॉल संघ ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष नीरज के पवन का स्वागत व अभिनन्दन किया

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान वॉलीबॉल की महासचिव अंजू सिंह ने बताया कि आज राजस्थान वालीबाल संघ की तरफ से राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष नीरज के पवन का राजस्थान वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष रामानंद चौधरी व राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के महासचिव रामावतार सिंह जाखड़ ने साफा तथा 51 किलो के फूलों की माला व साफा पहना कर स्वागत व अभिनंदन किया । नीरज को शॉल व पौधा भी भेंट किया गया । इस अवसर पर नीरज के पवन ने राजस्थान वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि राज्य क्रीड़ा परिषद की तरफ से राजस्थान वालीबाल संघ को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा तथा उन्होंने कहा राजस्थान वालीबाल संघ राज्य में वॉलीबॉल के खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन तरीके से काम कर रहा है तथा मैं शुभकामनाएं देता हूं कि आपके कुशल नेतृत्व में राज्य वॉलीबॉल संघ इसी तरीके से और अधिक कार्य करेगा । राजस्थान वॉलीबॉल संघ की महासचिव अंजू सिंह ने बताया कि रामानंद चौधरी अध्यक्ष राजस्थान वालीबाल संघ ने संघ की वॉलीबॉल गतिविधियों के बारे में अवगत कराया तथा नीरज जी को आश्वासन दिया कि राजस्थान वॉलीबॉल संघ उनके कुशल नेतृत्व में और अधिक तत्परता के साथ कार्य करेगा ।राजस्थान वॉलीबॉल संघ के सहायक सचिव प्रभु लाल जाट के अनुसार नीरज के पवन को सम्मानित करने के लिए प्रभु लाल जाट, कौशल शर्मा, श्योनारायण, कैलाश चंद मिठारवाल, लालचंद, शैलेश कुमार अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक सहित संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

## सांस्कृतिक धरोहर और लोक परंपराओं को जीवंत रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है गवरी: विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़

संजीवनी टुडे

नाथद्वारा। नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने गुरुवार को क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और जनता से संवाद किया। कुम्हारिया खेड़ा, ग्राम पंचायत नमाना में विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने सुबह 11 बजे कुम्हारिया खेड़ा में आयोजित गवरी कार्यक्रम में भाग लिया, जहाँ उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की। वे गुडला, ग्राम पंचायत धायला भी पहुंचे जहां उन्होंने गवरी में हिस्सा लिया और गुडला गांव का दौरा किया और वहां के स्थानीय निवासियों से चर्चा की। भैसाकमेड ग्राम पंचायत के उसरवास एवं बामनिया वेर में भी उन्होंने गवरी कार्यक्रम में भाग लिया और वहां के लोक कलाकारों से संवाद किया। ऐसे ही कोसीवाडा ग्राम पंचायत में करीब दोपहर 2 बजे गवरी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पारंपरिक लोक कला से रूबरू हुए। विधायक ने लोगों से कहा कि माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री की नीतियों और योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएं। गवरी के कार्यक्रमों में विधायक श्री मेवाड़ ने कहा कि गवरी न केवल धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और लोक परंपराओं को जीवंत रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। आयता की धूनी में दोपहर 4 बजे विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने संत संतोष नाथ जी के आश्रम पहुंच कर उनसे आशीर्वाद लिया।

मचींद ग्राम पंचायत में जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें श्री मेवाड़ ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़ी समस्याओं को सुना और उनके समाधान हेतु अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिए। ऐसे ही फतहपुर ग्राम पंचायत में जनसुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं का निस्तारण किया। विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ के ये दौरे क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उनके द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की गई। उल्लेखनीय है कि गवरी राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र की एक पारंपरिक लोक-नाट्य शैली है, जिसे विशेष रूप से भील समुदाय द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। यह मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती की कथाओं पर आधारित धार्मिक और सांस्कृतिक नृत्य-नाटिका होती है।

## खबरें फटाफट

### अल्पसंख्यक वर्ग के लिए ऋण आवेदन आमंत्रित

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय डूंगरपुर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जिले के अल्पसंख्यक वर्ग (मुस्लिम, बौध, सिक्ख, इसाई, पारसी और जैन) के पात्र व्यक्तियों के लिए 15 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा व व्यवसाय ऋण आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी डूंगरपुर खुश्बू शर्मा ने बताया कि पात्र आवेदनकर्त्ता स्वयं अथवा किसी भी निकटतम ई-मित्र के माध्यम से मिलन पोर्टल पर ऑनलाइन ऋण आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय डूंगरपुर में सम्पर्क कर सकते है।

### तैयारी बैठक 27को

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग डूंगरपुर द्वारा 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2024 तक ''समाज कल्याण सप्ताह'' मनाया जाएगा। समाज कल्याण सप्ताह के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर के निर्देशानुसार 27 सितम्बर, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे जिला कलक्टर कार्यालय में पूर्व तैयारी के लिए बैठक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अशोक शर्मा ने दी।

### घर-घर जाकर स्वच्छता के लिये जागरूकता अभियान

संजीवनी टुडे

पाली। स्वच्छता ही सेवा पखवाडे के अन्तर्गत नगर निगम के एनयुएलएम शाखा द्वारा निर्मित स्वयं सहायता समूह के द्वारा घर-घर जाकर स्वच्छता के लिये जागरूकता अभियान, स्वच्छता संवाद व स्वच्छता चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में नवोदय एरिया लेवल फ़ेडरेशन से कंचन देवी, दीपू, रेखा, ज्योति, छोटी देवी, रामेश्वरी व सीता द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जनकल्याण संस्थान से आशा कंवर, यास्मिन, सायरा, पुजा, रेखा, जुबेदा द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर एनयुएलएम जिला प्रबंधक देवेन्द्र सिंह राणावत, एस बी एम से मुकेश मकराना ,सामुदायिक संगठक भीमाराम व देवेन्द्र गुर्जर मोजुद रहे।

### सचल विधिक सेवा केन्द्र एवं लोक अदालत मोबाईल वाहन के संबंध में

संजीवनी टुडे

राजसमन्द। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजसमन्द राघवेन्द्र काछवाल एवं सचिव महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजसमन्द संतोष अग्रवाल के निर्देशानुसार 26 सितम्बर से 01 अक्टुबर तक 4 दिन के लिए मोबाईल वैन संख्या आरजे-19 पीबी 0087 को नाथद्वारा न्यायक्षेत्र में विधिक जागरूकता हेतु उपयोग में लाया जायेगा। उक्त वाहन के द्वारा नाथद्वारा न्यायक्षैत्र, पंचायत समिति खमनौर एवं पंचायत समिति देलवाड़ा की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं गांवों में जाकर विधिक साक्षरता शिविर लगाकर आमजन को कानूनी जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। उक्त मोबाईल वैन के साथ पैरालिगल वॉलेन्टियर भेरूलाल परमार, ग्राम पंचायतों एवं गांवों में जाकर आमजन को कन्या भ्रूण हत्या अधिनियम, मध्यस्थता के द्वारा मामलों का शीघ्र निस्तारण, विधिक सहायता से संबंधित जानकारी एवं राष्ट्रीय लोक अदालत, मिडियेशन, बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओं, प्लास्टिक का उपयोग रोकने आदि विषयों से संबंधित पेम्पलेटस वितरित कर आम जनता को जागरूक करेंगे।

**आपदा राहत के 554 कार्यों के लिये राशि रूपयें 1256.53 लाख रूपये, बारह करोड़ छप्पन लाख तिरेपन हजार की वित्तीय स्वीकृति जारी**

# उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग जल्द से जल्द कार्य शुरू करने के दिये निर्देश

संजीवनी टुडे

पाली। मानसून वर्ष 2024 में अत्यधिक वर्षा / बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलों की तात्कालिक अस्थाई मरम्मत एवं पुनरूत्थान के लिये जिला कलक्टर, पाली से भिजवाये गये प्रस्तावों के लिये आपदा प्रबन्धन ,सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग ने वित्तीय स्वीकृति जारी की है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सडकों की मरम्मत का कार्य तुरंत प्रारंभ करने के निर्देश दिये है। शासन संयुक्त सचिव ,भगवत सिंह के अनुसार पाली जिले से प्रस्ताव प्राप्त हुये उनकी स्वीकृति इस प्रकार है। प्राप्त प्रस्ताय के आधार पर अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड बाली तह. व ब्लॉक पाली के 82 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 179.03 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा. नि.वि. खण्ड बाली तह. व ब्लॉक देसूरी के 32 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 66.50 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा.नि.दि. खण्ड, सोजत सिटी, जिला पाली के 46 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 106.51 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा.नि.दि. खण्ड पाली, तहसील एवं ब्लॉकः मारवाड़ जंक्शन के 74 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 201.96 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड पाली, तहसील एवं ब्लॉकः रानी के 43 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 105.03 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा.नि.दि. खण्ड पाली, तहसील एवं ब्लॉकः रोहट के 69 कार्यों के लिये , कुल राशि रूपये 152.73 लाख, अधिशाषी अभियंता, शा.नि.वि. खण्ड पाली, तहसील एवं ब्लॉकाः पाली के 35 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 119.91 लाख, अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड वाली, तहसील एवं ब्लॉकः सुमेरपुर के 47 कार्यों के लिये कुल राशि रूपये 111.44 लाख, अधीक्षण अभियंता सा.नि.वि. वृत्त ब्यावर, तहसील एवं ब्लॉकः रायपुर के 36 कार्यों के लिये राशि रूपयें 9.1.20 लाख, अधीक्षण अभियंता शा.नि.पि. वृत्त ब्यावर, ब्लॉक जैतारण के 77 कार्यों के लिये राशि रूपयें 120.24 लाख, नगरपालिका, मारवाड़ जंक्शन जिला पाली के 13 कार्यों के लिये राशि रूपये 1.98 लाख, कुल 554 कार्यों के लिये राशि रूपयें 1256.53 लाख (अक्षरे रूपये बारह करोड़ छप्पन लाख तिरेपन हजार मात्र) की तात्कालिक मरम्मत के लिये राज्य आपदा मोचन निधि ैक्त्थ एसडीआरफ से स्वीकृति निग्न शों के अध्यधीन एतद् द्वारा प्रदान की गयी है। प्राप्त आधार पर अधिशाषी अभियंता, सा.नि.दि. खण्ड पाली, तहसील एवं ब्लॉकः गारवाड़ जंक्शन के 02 कार्यों के लिये 1.20 लाख, अधीक्षण अभियंता सा.नि.वि. वृत्त ब्यावर, तहसील एवं ब्लॉकः रायपुर के 08 कार्यों के लिये 4.80 लाख कुल 10 पुलिया कार्यों के लिये राशि 6.00 लाख (अक्षरे रूपये छः लाख मात्र) की तात्कालिक मरम्मत के लिये राज्य आपदा मोचन निधि से स्वीकृति निम्न शर्तों के अध्यधीन एतद् द्वारा प्रदान की गयी है। जो इस प्रकार है। कुल 554 सड़क कार्यों के लिये राशि रूपयें 1256.53 लाख व कुल 10 पुलिया कार्यों के लिये राशि 6.00 लाख, सडको व पुलों के कुल 564 कार्यों के लिये राशि रूपयें 1262.53 लाख (अक्षरे रूपये बारह करोड़ बासठ लाख तिरेपन हजार मात्र) की तात्कालिक मरम्मत के लिये राज्य आपदा मोचनं निधि से स्वीकृति निम्न शर्तों के अध्यधीन एतद् द्वारा प्रदान की गयी है। विभाग द्वारा पर किमी की दर से राशि का निर्धारण एसडीआरएफ नॉर्म्स अनुसार किया है अतः सा.नि.विभाग उन दरों से अधिक राशि का उपयोग सड़कों के त्मेजवतंजपवद रिस्टोरेशन पर न करें। प्रस्ताव उपखण्ड स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित होने आयश्यक है। जिला कलेक्टर विभाग द्वारा स्वीकृत कार्यों के लिए बजट की मांग एस. डी. आर.एफ. नोर्म्स अनुसार निर्धारित दर से गणना किये जाने के उपरान्त ऑनलाईन विभाग से करें। बजट सम्बन्धित कार्यकारी संख्या को न दिया जाकर जिला कलेक्टर स्तर से ही भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित्त की जायेगी। वे सड़कें जो क्मपिबज स्पंइपसपजल च्मतपवक डिफ़ेक्ट लाईबीलीटी पीरीयड के तहत आती है, उनकी मरम्मत ैक्त्थ से देय नहीं है। जिला कलेक्टर बजट की ऑन लाईन मांग किये जाने से पूर्व यह आश्वस्त कर लेवें कि बजट की मांग नोर्स के अन्तर्गत व्तकपदंतल त्मचंपत - च्मतपवकपबंस त्मचंपत (15/20 प्रतिशत) के तहत अनुमत राशि से गणना करने के उपरान्त ही कुल राशि की मांग की जा रही है। राज्य आपदा मोचन निधि के मापदण्डों के अनुसार क्षतिग्रस्त सड़कों के रिस्टोरेशन त्मेजवतंजपवद के लिये विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश दिनांक 16.07.2024 द्वारा गणना की जाये। कार्यकारी एजेन्सी की यह पूर्ण जिम्मेदारी होगी कि वे एसडीआरफ में अनुमत कार्य ही कराया जाना सुनिश्चित करें। अन्यथा उनकी पूर्णतः जिम्मेदारी होगी। जिला कलेक्टर स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ करावें तथा कार्य प्रारम्भ किये जाने की दिनांक से 30 दिवस में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि तत्कालिक मरम्नत का उद्देश्य पूर्ण हो सके। जिला कलेक्टर उपखण्ड स्तरीय समिति के निरीक्षण उपरान्त यह रिपोर्ट भुगतान किये जाने से (पँ) पूर्व अवश्य प्राप्त कर लेवें कि कार्य एसडीआरएफ मापदण्ड एवं प्रावधान अनुसार ही कराया गया है। प्रस्तावों में दर्शायी गई वर्षा की मात्रा एवं उपखण्ड स्तरीय समित्ति की अनुशंषा पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से प्रमाणित करवाई जावे। क्षति का मुख्य कारण बाढ़ अथवा अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति होना है, इसका प्रमाण पत्र जल संसाधन विभाग के प्रतिनिधी से प्राप्त किया जाना आवश्यक है। इस विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों एवं परिपत्रों की पालना की जाये।

# महात्मा गांधी दर्शन म्यूजियम को शुरू कर दिया जाएगा, बेहतर मैनेजमेंट के लिए एक समिति का भी गठन किया

संजीवनी टुडे

जाशमा। राजस्थान के गांधी अशोक गहलोत के मजबूत इरादों एवं राजस्थान गांधी दर्शन समिति के सदस्यों की ताकत को देखते हुए मौजूदा भाजपा सरकार को यह निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा और घोषणा करनी पड़ी की 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी दर्शन म्यूजियम जयपुर को शुरू कर दिया जाएगा बेहतर मैनेजमेंट के लिए एक समिति का भी गठन किया गया है मैं अशोक गहलोत और राजस्थान के समस्त जिला संयोजकों अप संयोजकों व उपखंड के सभी संयोजकों एवं कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार प्रकट कर रहा हूं साथ ही उन्हें इस जीत में भुपालसागर से संयोजक दिलीप कुमार जैन,सह संयोजक सेयद फिरोज अली,लोकेश शर्मा,विजय बारेगामा, खुशबू बारेगामा रतनलाल सुखवाल ,रोशन लाल रेगर,ने खुशी जताईदे दी हमें आजादी खडक बिना दाल साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल गांधीवादी चिंतक अशोक गहलोत द्वारा 28 सितंबर 2024 को गांधी स्मृति वाटिका म्यूजियम को आम जनता के लिए खोलने के लिए एकदिवसीय धरने का आयोजन किया जाना हुआ स्थगित राज्य सरकार

ने गांधीवादी चिंतकों की वाजिद मांग पर 2 अक्टूबर 2024 को जयपुर में स्थित गांधी स्मृति वाटिका म्यूजियम को आम जनता के लिए खोलने का किया फैसला मी के नेतृत्व में दिया जाने वाला एकदिवसीय धरना हुआ स्थगित आओ सब मिलकर महात्मा गांधी के जीवन संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 2 अक्टूबर 2024 से चलाएं विशेष अभियान यह मेरा अनुरोध है।

# श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना की हुई बैठक, महारैली की तैयारी पर की चर्चा

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर।श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना डूंगरपुर जिला कार्यकारिणी की बैठक मुख्यालय पर हुई।बैठक की अध्यक्षता हीरालाल पटेल ओड़वाड़िया ने की।मुख्य अतिथि उदयपुर संभाग अध्यक्ष हीरालाल पटेल खीरावाड़ा, वीरेंद्र रठौडा एवं उपसरपंच खेमराज ईश्वरवास रहे।प्रदेश संयोजक महेंद्र डांगी धताणा ने बताया कि 31 अक्टूबर को पटेल पाटीदार डांगी समाज की डूंगरपुर में महारैली का आयोजन किया जाएगा।जिसको लेकर समाज के प्रत्येक गांव में बैठक आयोजित कर समाजजन को आमंत्रित किया जाएगा।हीरालाल पटेल ओड़वाड़िया ने कहा कि पूरे राजस्थान में सभी को मिलकर पटेल पाटीदार डांगी समाज को जोड़ना हैं। समाज की एकजुटता बनानी है। आगामी समय में समाज को जोड़कर समाज के हित के लिए हर

संभव कार्य करेंगे।शिक्षा,व्यापार एवं राजनीति के क्षेत्र में समाज के लिए हमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।आने वाले समय में समाज का आधार समाज के पंचो के मार्गदर्शन में अधिक मजबूत करना होगा। कवि सुनील पटेल नेजपुर ने कहा कि पटेल पाटीदार डांगी समाज के लिए राष्ट्रहित एवं समाज हित सर्वोपरि हैं। समाज के युवाओं के लिए हर क्षेत्र से नए अवसर सृजित करेंगे। जो युवा आज समाज के लिए मेहनत दौड़भाग कर रहे हैं, सफलता उनके हिस्से जरूर आएगी।हीरालाल आसेला ने कहा की हमें सभी को साथ में लेकर चबढ़ेंग। सभी के सहयोग के साथ में हम आगे बढ़ेंगे।पार्षद डायालाल पाटीदार ने सरदार पटेल जयंती की महारैली को लेकर रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान जिला अध्यक्ष मनोज करावाडा, अनिल भचड़ीया,रामजी इंदौड़ा, राजेंद्र किशनपुरा,दिलीप भचड़ीया, हिरालाल पाटीदार इंदौड़ा, सुशील नेजपुर, नारायण धताणा,हार्दिक मौजूद रहे।

# पंडीत दिनदयाल उपाध्याय कि जयन्ति पर महासदस्या अभियान के तहत दो हजार पैड़ लगाने का लिया संकल्प

संजीवनी टुडे

भूपालसागर। भूपालसागर डाक बंगले पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी महा सदस्यता अभियान पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश मेनारिया ने की वहीं विशिष्ट अतिथि जिला मंत्री करनल सिंह, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष ब्रज लता। भाजपा वरिष्ठ नेता लीलाधर जोशी, बलवंत सिंह ओसवाल, महामंत्री अशोक कुमार चपलोत, शंकर लाल बेरवा, युवा मोर्चा महामंत्री रौनक सोनी, मुकेश जाट, सदस्यता अभियान मंडल संयोजक भगवान लाल प्रजापत, उप सरपंच विजय अग्रवाल, बुथ अध्यक्ष निर्भय सिंह, ओम प्रकाश शर्मा, जगदीश प्रजापत, राजकुमार साहू, मिट्ठू लाल जाट, मंडल मंत्री शंकर लाल सुथार, बद्री लाल गाडरी, पंचायत समिति सदस्य कालूराम माली एवं सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मण्डल अध्यक्ष मेनारीया ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सदस्यता अभियान के तहत घर घर जाकर भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को बढ़ाना है। साथ ही मेनारीया ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को भी दसुद्धढ बनान है इसके लिए भूपालसागर मंडल में 2000 वृक्ष लगाने का लक्ष्य लिया गया। इसकी शुरुआत भोपाल सागर डाक बंगले पर एक पैड लगाकर की गई एवं सेवा पखवाड़ा भी मनाया गया।

# जिले में स्वच्छता की 4 पी अवधारणा पर होगा काम, सीमलवाड़ा में विशेष योग्यजन सहायता शिविर एवं जनसुनवाई में बरसी राहत

संजीवनी टुडे

### जिला कलक्टर ने सुने अभाव अभियोग, निस्तारण के दिए निर्देश

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह द्वारा आमजन एवं विशेष योग्यजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष पहल करते हुए ब्लॉक स्तर पर विशेष योग्यजन सहायता शिविर एवं जनसुनवाई का अनुठा नवाचार किया है। इसके अन्तर्गत सीमलवाड़ा उपखंड क्षेत्र में विशेष योग्यजन सहायता शिविर एवं जनसुनवाई आयोजित की गई जिसमें बरसी राहत से शिविर में पहुंचे दिव्यांग जन मौके पर ही जांच, रजिस्ट्रेशन एवं निःशक्तता प्रमाण पत्र से लाभान्वित हुए। शिविर में प्रधान कारीलाल ननोमा सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। शिविर में समस्त अधिकारियों ने दिव्यांगजन से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार पूर्वक जानकारी भी प्रदान की। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशानुसार पंचायत समिति सीमलवाड़ा के विनोबा भावे खेल मैदान में गुरुवार को विशेष योग्यजन सहायता शिविर और जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में दिव्यांगजन

के निःशक्तता प्रमाण पत्र बनाए जाने के साथ ही पात्रता के अनुसार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में हाथों-हाथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता सहित मौजूद विशेषज्ञ एवं मेडिकल टीम द्वारा शिविर में पहुंचने वाले दिव्यांगों की मौके पर ही जांच की गई तथा नियमानुसार निःशक्तता प्रमाण पत्र जारी किए गए। शिविर प्रभारी ने बताया कि शिविर में कुल 166 रजिस्ट्रेशन हुए जिसमें से 61 को नियमानुसार निःशक्तता प्रमाण पत्र जारी किए गए। उन्होंने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन जिनकी जांच जिला मुख्यालय पर ही संभव है, उन्हें जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। शिविर में जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जारी निःशक्तता प्रमाण पत्र के साथ ही मौके पर ही मौजूद समस्त विभागों के हेल्प डेस्क पर मौजूद कर्मचारियों ने पात्रता के अनुसार जनकल्याणकारी योजनाओं में तत्काल ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया, जिससे ये विशेष योग्यजन जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकेंगे। विशेष योग्यजन के मेडिकल जांच के बाद बने हैं निःशक्तता प्रमाण पत्र जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने मौके पर ही दिव्यांगजनों के पास पहुंचकर उनके हाथों में सौपे। शिविर में पहुंचे विशेष योग्यजन ज्योत्सना के फिंगरप्रिंट नहीं आने तथा लगभग ग्यारह वर्षीय युवराज के दृष्टि की समस्या के कारण आधार के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा था। जिला कलक्टर सिंह ने तत्काल ही समाधान करते हुए नियमानुसार उपखंड स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की अनुशंषा के द्वारा मौके पर ही रजिस्ट्रेशन करवा कर दोनों को हाथों हाथ आधार रजिस्ट्रेशन की रसीद प्रदान की, अब जल्दी उन्हें आधार कार्ड प्राप्त हो जाएगा, जिससे वे अन्य योजनाओं से भी लाभांवित हो सकेंगे। इस अवसर पर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने जनसुनवाई करते हुए आमजन के अभाव अभियोग को सुना तथा शिविर में मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारी को मौके पर ही बुलाकर त्वरित समाधान के निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में आधार कार्ड बनाने, माना का देव स्कूल की जमीन का सामूहिक वनाधिकार पट्टा विद्यालय के लिए जारी करने, खरपेड़ा में खेल मैदान बनाने, सफाई कर्मियों को भुगतान करवाने सहित आई परिवेदनाओं को कलक्टर ने तसल्ली से सुना तथा शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

# अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने का रोडमैप तैयार

**पेसा-जीपीडीपी पोर्टल लॉन्च, सात प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन**

संजीवनी टुडे

### नई दिल्ली में पेसा अधिनियम पर राष्ट्रीय सम्मेलन

डूंगरपुर। पेसा अधिनियम (च्म्ै। ।बज) यानी पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 संविधान की पांचवी अनुसूची क्षेत्र में आदिवासी समुदाय को सशक्त बनाने हेतु लागू किया गया, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। किस तरह पेसा अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो, अनुसूचित क्षेत्रों के निवासियों की ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन तक पहुंच हो, वर्तमान समय में जनजातीय क्षेत्रों के लिए इसकी प्रासंगिकता सहित जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पेसा सम्मेलन के दौरान विचार विमर्श किया गया।

भारत सरकार के पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री एस. पी. सिंह बघेल की अध्यक्षता में डॉ अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान के जनजातीय क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में डूंगरपुर से समाजसेवी

बंशीलाल कटारा शामिल हुए। कटारा ने बताया कि पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा विविध कानूनी विषयों पर केंद्रित सात समितियों का गठन किया गया है। इनमें पेसा कानून प्रशिक्षण का मसौदा तैयार किया है। इसके साथ ही पंचायती राज मंत्रालय के ग्राम पंचायत डेवल्प प्लान के साथ पेसा ग्राम स्तरीय नियोजन व सक्षम करने के लिए एक एकीकृत पेसा- जीपीडीपी (ग्राम पंचायत डवल्प प्लान) पोर्टल विकसित किया गया है। सम्मेलन के दौरान सात प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन और पेसा- जीपीडीपी पोर्टल लॉन्च किया गया। इससे जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास का रोडमैप तैयार होगा और सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश के पंचायती राज्य मंत्री सहित देशभर से जनजातीय क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अनुसूचित क्षेत्रों में विवाद समाधान के पारंपरिक तरीके, अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम सभाओं को मजबूत बनाना, अनुसूचित क्षेत्रों में मादक पदार्थों का निषेध और उनकी बिक्री नियमितध्प्रतिबंधित करना, अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करना, अनुसूचित क्षेत्रों में लघु वन उत्पाद, अनुसूचित क्षेत्रों में गौण खनिज, अनुसूचित क्षेत्रों में साहूकारी पर नियंत्रण पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन किया गया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में पेसा के भविष्य की कल्पना में ग्राम सभा की भूमिका, वन अधिकार अधिनियम और अन्य माध्यमों से पेसा अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाना, प्रभावी आईईसी रणनीतियों और प्रशिक्षण मॉड्यूल के साथ समुदायों को सशक्त बनाने पर पैनल डिस्कशन हुआ। पैनल डिस्कशन की अध्यक्षता जनजातीय मामलों के मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी नवलजीत कपूर ने की, जबकि तेलंगाना के पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग की कमिश्नर अनिता रामचंद्रन, ओडिशा से सुरेंद्र कुमार मीणा, तीर फाउंडेशन से मिलिंद थाटे, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी महेश मिश्रा सहित अन्य वक्ता पैनल डिस्कशन में शामिल हुए।

# बाल वाहिनियों की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं : डीटीओ शर्मा

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला बाल वाहिनी संयोजक समिति की बैठक का आयोजन पुलिस उपाधीक्षक राहुल जोशी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान स्कूलों में बालवाहिनियों और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। सदस्य सचिव डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा ने बैठक में बताया कि विद्यालयों में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अत्यावश्यक है। इसके लिए समय-समय पर सड़क सुरक्षा वर्कशॉप का आयोजन कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी अधिक से अधिक दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बालवाहिनियों का रंग पीला होना चाहिए और उन पर ''ऑन स्कूल ड्यूटी'' तथा ''स्कूल बस'' स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। साथ ही बसों पर स्कूल का संपर्क नंबर, वाहन प्रभारी का नंबर और चाइल्ड लाइन का नंबर (1098) अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। वाहनों की फिटनेस, बीमा, रजिस्ट्रेशन, परमिट, पीयूसी, जीपीएस, और सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि बाल वाहिनियों में क्षमता से अधिक छात्रों का परिवहन न हो, और वाहन चालक द्वारा सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग हो। इसके अलावा, हर दिन वाहन चालकों और परिचालकों का एल्कोहल टेस्ट वाहन प्रभारी द्वारा किया जाना चाहिए। वाहनों में आपातकालीन द्वार, प्राथमिक स्वास्थ्य किट और अग्निशमन यंत्र सुचारू रूप से उपलब्ध होने चाहिए। डीएसपी राहुल जोशी ने जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आवश्यक है। साथ ही, वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने सभी स्कूलों में नियमित रूप से वाहनों की जांच के लिए एक जिम्मेदार वाहन प्रभारी की नियुक्ति की भी बात की, जो बाल वाहिनियों की नियमित जांच करेगा और किसी भी त्रुटि को तुरंत सुधारने का प्रयास करेगा। बैठक में विभिन्न विद्यालय संचालकों द्वारा बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए गए। अजय चौधरी द्वारा वाहन चालकों के पुलिस चरित्र प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर अध्यक्ष महोदय ने शीघ्र से शीघ्र भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया को पूरा करने का आश्वासन दिया। डीटीओ ने बताया कि इस बैठक में पीडब्ल्यूडी से श्री एच. एल. सालवी, शिक्षाकुल सेवा संस्थान के सचिव श्री मुकेश वैष्णव और विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें श्रीजी पब्लिक स्कूल, क्रिएटिव ब्रेन एकेडमी, आलोक स्कूल, संगिता स्कूल, एलपीएस स्कूल, बाल निकेतन गांधी सेवा सदन, मॉडर्न राज स्कूल भीम, स्मार्ट स्टडी, गायत्री पब्लिक स्कूल, करियर पॉइंट, तुलसी अमृत विद्यापीठ, सनराइज एकेडमी, मयूर पब्लिक स्कूल, आदर्श विद्या मंदिर, और ऑरेंज काउंटी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से....

# सम्पादकीय

## छात्र संघों से ही निकलते हैं बड़े नेता, इनको दबाना लोकतंत्र के लिए अहितकर

आज देश की संसदीय राजनीति में इस पाठशाला से निकले कई मेधावी छात्र हमारे विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। एक तर्क यह भी दिया जाता है कि कॉलेज, विश्वविद्यालय अगर छात्र संघों से दूर रहे तो शैक्षणिक माहौल और गुणवत्ता सही रहती है। नीतीश कुमार, सुशील मोदी के सामने तेजस्वी यादव क्यों बौने साबित हो रहे हैं ? क्या सिर्फ पीढ़ीगत अंतर के चलते ? अरुण जेटली के बाद दिल्ली बीजेपी में शून्य-सा क्यों है ? क्यों मनोज तिवारी हल्के और प्रभावहीन दिखते हैं वहां ? दिग्विजय सिंह की तरह मप्र की सियासत में पकड़ दूसरी पीढ़ी के कांग्रेस नेताओं की क्यों नहीं है ? नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर की एक तंग गली से निकल कर आज देश की दर्जनभर नीति निर्धारक केन्द्रीय समितियों के सदस्य कैसे हैं? शिवराज सिंह चौहान, रमन सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, रमेश चेन्नीथला, रीता बहुगुणा, मुकुल वासनिक, अजय माकन, लालमुनि चौबे, रामविलास पासवान, शरद यादव, तारिक अनवर, प्रकाश जावड़ेकर, हुकुमदेव यादव, मनोज सिन्हा, गोपीनाथ मुंडे, रविशंकर प्रसाद जैसे अनेक नामों में वैचारिक विभिन्नता के बाबजूद एक साम्य है। वह यह कि सभी छात्र राजनीति से निकल कर आये हुए हैं। सभी नेताओं के पास अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में संघर्ष का बीज आधार मौजूद है, अधिकतर जेपी आंदोलन के सहयात्री भी रहे हैं।

आज के नेता तेजस्वी यादव, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा, जितिन प्रसाद, सचिन पायलट, पंकजा मुंडे, अभिषेक सिंह, दुष्यंत सिंह, पंकज सिंह, अगाथा संगमा, दुष्यंत चौटाला, रणदीप सुरजेवाला, मनीष तिवारी, सुखबीर बादल, सुप्रिया सुले जैसे नेताओं की नई पीढ़ी में भी एक साम्य है। ये सब अपने पिता या परिजनों की विरासत के प्रतिनिधि हैं, किसी के पास जनसंघर्षों की कोई पृष्ठभूमि नहीं है। इन्हें सब कुछ विरासत में मिल गया इसलिये इस नई पीढ़ी के साथ आप प्रशासन और राजनीति में उन सरोकारों को नहीं देख सकते हैं जो जम्हूरियत के लिये जरूरी है। सवाल यह है कि क्या भारत में छात्र राजनीति के दिन लद गए हैं ? क्या छात्र राजनीति की उपयोगिता खत्म हो चुकी है ? इसके दोनों आयाम हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे महान शिक्षा शास्त्री मानते थे कि विश्वविद्यालय में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिये वे छात्र संघों के विरुद्ध थे। वहीं देश में एक वर्ग ऐसा भी है जिसने छात्र संघों को लोकतंत्र की पाठशाला निरूपित किया है। जेपी, लोहिया जैसे महान नेताओं ने खुद आगे आकर छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया।

आज देश की संसदीय राजनीति में इस पाठशाला से निकले कई मेधावी छात्र हमारे विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। एक तर्क यह भी दिया जाता है कि कॉलेज, विश्वविद्यालय अगर छात्र संघों से दूर रहे तो शैक्षणिक माहौल और गुणवत्ता सही रहती है। सवाल यह है कि बिहार में अस्सी के दशक से छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे हैं, मप्र में भी 1991 के बाद से बंद प्रायः ही है। शेष जगह अब जिस लिंगदोह कमेटी के आधार पर कॉलेजों में चुनाव होते हैं उनका कोई औचित्य इसलिये नहीं है क्योंकि वे अनुशासन के नाम पर इतने सख्त नियमों में बांध दिए गए हैं कि वहां नेतृत्व और सँघर्ष का कॉलम ही नहीं रह गया है। अगर यह मान लिया जाए कि छात्र संघों से कैम्पस की गुणवत्ता खराब होती है तब क्या बिहार, मप्र या दूसरे राज्यों में पिछले 30 वर्षों में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का ट्रैक रिकॉर्ड कोई विशिष्ट उपलब्धि भरा रहा है ? अखिल भारतीय सेवाओं में आज भी मप्र का प्रतिनिधित्व सबसे निचले पायदान पर है राज्य की आबादी के अनुपात से। बिहार, मप्र, बंगाल जैसे बड़े राज्यों के विश्वविद्यालयों में सामाजिक, आर्थिक, मानविकी या प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कोई महानतम उपलब्धियां हासिल की हो ऐसा भी नहीं है। हाल ही में जो वैश्विक रेटिंग जारी की गई है उनमें भारत के विश्वविद्यालयों का नाम नहीं हैं। जाहिर है इस तर्क को स्वीकार करने का कोई आधार नहीं है कि छात्रसंघ कैम्पसों में अकादमिक गुणवत्ता को प्रदूषित करते हैं। सच तो यही है कि छात्र संघ नेतृत्व की पाठशाला है बशर्ते सरकारें ईमानदारी से अपनी भूमिका को तय कर लें। यह समाज में नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता वाले तबके को प्रतिभा प्रकटीकरण का मंच है जिसके माध्यम से लोकतंत्र के लिये मजबूत जमीन का निर्माण होता है। पर सवाल यह है कि क्या सरकारें ऐसा चाहती हैं? आज लोकतंत्र का स्थाई चरित्र बन चुकी है सत्ता की निरंतरता। सहमति और असहमति की जिस बुनियाद पर जम्हूरियत चलती है उसे कुचलने का प्रयास सम्मिलित रूप से किया जा रहा है।

## आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

**मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) :** आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

**वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) :** सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

**मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) :** कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

**कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) :** किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

**सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) :** परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

**कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) :** आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

**तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) :** आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

**वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) :** व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

**धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) :** आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

**मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) :** आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

**कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) :** आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

**मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) :** आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

# हो साकार कृषि पर्यटन

आज विश्व पर्यटन दिवस है। हमारी संस्कृति में मान मनुहार की परंपरा रची बसी हैं। अतिथि देवो भव और घर आया मां जाया जैसे शब्द हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। गांव में मेहमान के आने पर पलक पाँवड़े बिछाए जाते हैं। उनके सत्कार और मेहमानवाज़ी में सारे परिवार के सदस्य जुड़ जाते हैं। ''पधारो म्हारे देश'' भी इसी माटी से निकला हुआ शब्द है। रंग रंगीली धरती से निकलकर आज यह वाक्य भारतीय पर्यटन का आदर्श वाक्य बन गया। राजस्थान पर्यटन, कला और संस्कृति की दृष्टि से एक धरोहर राज्य के रूप में स्थापित हैं। भारत आने वाला हर दूसरा पर्यटक राजस्थान जरूर आता है। यहां के किले ,महल, मरुस्थल, झीलें और ऐतिहासिक इमारतें आज देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण है।

आज रुझान बदला- बदला सा है। आज पर्यटक शहरों की अपेक्षा गांवों की तरफ अधिक रूचि दिखा रहे हैं । इसी वजह से ग्रामीण पर्यटन और खासतौर पर ''कृषि पर्यटन'' लोकप्रिय होता जा रहा है। आज हरे भरे खेत, गायों का झुंड और ऐसी बहुत सी बातें हैं जो पर्यटकों को सीधा खेतों की तरफ आकर्षित करती है। गांव की मनोहारी गोधूलि बेला का वो रमणीक दृश्य जब गायें खेतों से घरों की तरफ बढ़ती है और उनकी पैरों से उड़ती हुई सोंधी सोंधी मिट्टी की महक जब हमें महसूस होती है तो हम सीधे खींचे चले जाते हैं गांवों की तरफ। मन करता है गांवों में ही बस जाएं। कुछ पल ठहर जाएं।

आज हर तरफ किसानों की आय बढ़ाने की बातें हो रही है। कृषि पर्यटन वह माध्यम है जो किसानों की आमदनी दोगुनी करने में सहायक साबित हो सकता है। यह वह क्षेत्र है जिसमें बहुत कम लागत में किसान अच्छा लाभ प्राप्त कर सकता है । लेकिन उसके लिए आवश्यकता है व्यवस्थित तरीके से कृषि पर्यटन से जुड़े सभी स्थलों को विकसित करने की। रुझान बढ़ाने की।

सीकर जिले के गोधाम के प्रेरक किसान कान सिंह निर्वाण ने अपने खेत पर यह सब कुछ कर दिखाया और देखते-देखते उनकी देश भर में पहचान हुई । कान सिंह ने जोर की ढाणी नाम से अपने फार्म को कृषि पर्यटन के प्रत्येक पहलू के साथ विकसित किया। आज उनके यहां देशभर से ही नहीं फ्रांस, स्पेन, इटली, जर्मनी और अमेरिका से पर्यटक आते हैं और दो-तीन रात रुक कर खेती किसानी जीवन का लुफ्त उठाते हैं। इनका पूरा परिवार पर्यटकों की मान मनुहार में समर्पित है। विदेशी पर्यटकों का खेती किसानी जीवन के साथ संबंध स्थापित करना, खेतों में रात बसर करना, गायों से दूध निकालना ,घुड़सवारी करना जैसी रोचक गतिविधियां इनके फॉर्म पर देखी जा सकती हैं । पर्यटक यहां आकर प्रकृति के संग रोमांचित हो जाते हैं । यही तो है कृषि पर्यटन। भारत की आत्मा गांव में निवास करती है और गांव की आत्मा खेतों में निवास करती है। किसी ने बहुत सच कहा है कि देश की प्रगति का रास्ता खेतों से होकर गुजरता है । यदि किसान समर्थ होंगे तो गांव समर्थ होंगे और गांव शक्ति संपन्न होंगे तो राष्ट्र विकसित होगा। जोधपुर मंडोर क्षेत्र के रहने वाले एक उद्यमी युवा कृषक ललित देवड़ा ने भी कुछ ऐसा ही किया। ललित देवड़ा ने अपने फार्म पर पर्यटकों के लिए झोपड़िया बनाई और साथ ही एग्रोटूरिज्म का मॉडल विकसित किया। ललित देवड़ा का मानना है कि कृषि पर्यटन आमदनी बढ़ाने की दृष्टि से एक सुनहरा क्षेत्र है । वह एमबीए डिग्री प्राप्त कर खेती में आया। ललित कृषि पर्यटन से लाखों रुपयों की आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

### विचार बिन्दु

**कृषि पर्यटन एक मजबूत उभरता क्षेत्र साबित हो सकता है। कृषि अर्थव्यवस्था की दृष्टि से कृषि पर्यटन एक स्तंभ साबित हो सकता है ,लेकिन आवश्यकता है तो इसके लिए गांव में लुप्त हो रही संस्कृति और लोक परंपराओं को संरक्षित करने की और लोक कलाओं के संरक्षण की और इन्हें बचाने की। कृषि पर्यटन करने वाले किसानों की गिनती बहुत कम है। यह संख्या धीरे धीरे बढ़ रही है। जयपुर के प्रगतिशील किसान सुरेंद्र अवाना व्यवस्थित तरीके से दूदू समीप अपने फार्म पर कृषि पर्यटन का मॉडल विकसित कर रहे है।**

वीरेन्द्र परिहार

गांव में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार के लुभवले स्थलों को विकसित किया जा रहा है । हमारे गांव के रीति रिवाज ,लोगों की पोशाक, मेले ,त्यौहार और यहां की लोक परंपराएं सब कुछ अनोखी है, जिसे देखने के लिए आज लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। गांव की तरफ रुख करने वाले सैलानियों को सबसे ज्यादा मज़ा ग्रामीण परिधानों को पहनने में आता है। ग्रामीण परिधानों को पहनकर फोटो खिंचवाने में वो आनंदित होते हैं। गांव में महलों अर्थात रावला को हेरिटेज होटलों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे भी कृषि पर्यटन को एक गति मिली है। गांव की चौपाल जिसे देखने का एक अलग ही नजारा होता है। कई घंटों तक बैठकर बातें करना ,एक दूसरे के अनुभवों को साझा करना यह सब कुछ गांव की चौपाल में ही देखा जा सकता है। जब किसान अपने खेत पर अपने खून पसीने की मेहनत से सींची गयी हरी भरी फसल को लहलहाते हुए देखता है तो वह दिन उसके लिए सबसे बड़ा खुशहाली का दिन होता है। ऐसे में जब कोई सैलानी किसान के खेत पर पहुंच जाता है तो किसान बेहद खुश होता है। पर्यटकों के आवभगत में जब बारी भोजन की आती है तो आज भी भोजन बाजोट पर बिठाकर ही कराया जाता है। किसान इससे भी अधिक आनंदित तब होता है जब अपने खेत पर उगाई हुई सब्जियों की मान मनुहार सैलानियों को करता है।

किसान अपने खेत पर आने वाले पर्यटकों के सत्कार में पारंपरिक खाने दाल बाटी चूरमा, लहसुन की चटनी और अलग से फोड़ा हुआ प्याज और बाजरे की रोटी कैर सांगरी के साग को परोसता है।

कृषि पर्यटन को लोकप्रिय करवाने की दिशा में बाड़मेर जैसलमेर बीकानेर में कैमल सफारी भी बड़ा योगदान दे रही है। चाहे बात हो खेतों में बिजाई करने की या हो निराई गुड़ाई करने की और या फिर पानी देने की हर दृश्य एक सुंदर एहसास कराता है । गांव में आज भी परंपरागत रूप से जल संरक्षण की तकनीकें हमारा ध्यान यकायक ही खींच लेती है। यही कारण है कि आज शहरों में भी स्थापित होने वाले रमणीक स्थलों में ग्रामीण व कृषि प्रधान परंपराओं का ध्यान रखा जाता है क्योंकि उससे पर्यटक खींचे चले आते हैं।

कृषि पर्यटन एक मजबूत उभरता क्षेत्र साबित हो सकता है। कृषि अर्थव्यवस्था की दृष्टि से कृषि पर्यटन एक स्तंभ साबित हो सकता है ,लेकिन आवश्यकता है तो इसके लिए गांव में लुप्त हो रही संस्कृति और लोक परंपराओं को संरक्षित करने की और लोक कलाओं के संरक्षण की और इन्हें बचाने की। कृषि पर्यटन करने वाले किसानों की गिनती बहुत कम है। यह संख्या धीरे धीरे बढ़ रही है। जयपुर के प्रगतिशील किसान सुरेंद्र अवाना व्यवस्थित तरीके से दूदू समीप अपने फार्म पर कृषि पर्यटन का मॉडल विकसित कर रहे है। सैलानियों को आकर्षित करने के लिए बत्तख पालन और मछलीपालन इकाई भी लगाई है। यहाँ उंट सवारी भी कराई जाती हैं। यदि व्यवस्थित तरीके से कृषि पर्यटन किया जाए तो किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके लिए किसान सुनियोजित तरीके से लुप्त हो रही ग्रामीण लोक कलाओं का संरक्षण करें। खेत पर वह सारे इंतजाम करें जिससे सैलानियों का रुझान और बढ़ सके। राजस्थान की माटी में संगीत गूंजता है। यहां के कण-कण में सांगीतिक माधुर्य है। यहां की धरती उत्सवों की धरती है। यहां की सांस्कृतिक विरासत अनमोल है । धोरों से निकले सुरों ने यहां की कला महक को सात समंदर पार पहुंचाया । कृषि पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए संगीत बड़ा सहारा बन सकता है । खेत खलिहान में सैलानियों को आकर्षित करने के लिए देसी लोक संगीत की व्यवस्था की जाए। शाम को कैंप फायर जैसी व्यवस्था भी यदि खेतों में हो तो कृषि पर्यटन अधिक पनप सकता है। आने वाले समय में कृषि पर्यटन एक स्तम्भ व्यवसाय के रूप में सामने आ सकता है।

## शत्रुओं पर विजय प्राप्ति हेतु किया जाता है गुरु प्रदोष व्रत

वैसे तो प्रदोष व्रत बहुत फलदायी होता है लेकिन प्रदोष व्रत का विभिन्न अवसरों पर करने का अलग महत्व होता है। रविवार को पड़ने वाले प्रदोष को रवि प्रदोष कहते हैं। रवि प्रदोष का व्रत रहने से लम्बी आयु और निरोगी काया मिलती है। सोमवार के दिन होने वाले प्रदोष को सोम प्रदोष या चन्द्र प्रदोष कहते हैं और इसे करने से आपकी इच्छाएं पूरी होती है। हर महीने के कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष व्रत होता है। हिन्दू धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व होता है। इस व्रत में शिवजी की आराधना की जाती है। प्रदोष व्रत में सोम प्रदोष, मंगल प्रदोष और शनि प्रदोष का विशेष महत्व होता है तो आइए हम आपको प्रदोष व्रत की महिमा के बारे में कुछ रोचक बातें बताते हैं।

26 सितम्बर, बृहस्पतिवार को पड़ने वाला प्रदोष व्रत खास है क्योंकि इस व्रत को करने से शत्रुओं पर विजय मिलती है और दुश्मनों का नाश होता है। बृहस्पतिवार को पड़ने वाले व्रत को गुरु प्रदोष भी कहा जाता है। वैसे तो प्रदोष व्रत बहुत फलदायी होता है लेकिन प्रदोष व्रत का विभिन्न अवसरों पर करने का अलग महत्व होता है। रविवार को पड़ने वाले प्रदोष को रवि प्रदोष कहते हैं। रवि प्रदोष का व्रत रहने से लम्बी आयु और निरोगी काया मिलती है। सोमवार के दिन होने वाले प्रदोष को सोम प्रदोष या चन्द्र प्रदोष कहते हैं और इसे करने से आपकी इच्छाएं पूरी होती है। मंगलवार के प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष

कहा जाता है। भौम प्रदोष व्रत से रोगों से मुक्ति मिलती है और आप स्वस्थ रहते हैं। बुधवार के दिन बुध प्रदोष होता है। इस व्रत को करने से कामनाएं सिद्ध होती है। बृहस्पतिवार के दिन व्रत से शत्रुओं का नाश होता है।

शुक्र प्रदोष व्रत से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके अलावा शनिवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत से उत्तम पुत्र की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण में कही गयी कथा के अनुसार एक गांव में एक विधवा ब्राह्मणी अपने बच्चे के साथ रहती थी। वह भिक्षा मांग कर अपना गुजारा करती थी। एक दिन रास्ते में लौटते समय उसे नदी किनारे एक बालक मिला। वह बालक कोई सामान्य बालक नहीं था बल्कि वह विदर्भ देश का राजुकमार धर्मगुप्त था। दुश्मनों ने उसके पिता का राज्य हड़प कर उसके पिता की हत्या कर दी थी। उसकी माता का देहांत पहले ही हो चुका था। ब्राह्मण महिला ने उस बच्चे को अपना लिया। एक दिन ऋषि शांडिल्य ने उस ब्राह्मण महिला को प्रदोष व्रत करने को कहा। प्रदोष व्रत करने से राजकुमार धर्मगुप्त का विवाह गंधर्व राज की कन्या से हो गया। उसके बाद धर्मगुप्त को उसका खोया राज्य मिल गया। प्रदोष व्रत करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों को मनोवांछित फल देते हैं। इस व्रत को करने से जीवन में किसी प्रकार का अभाव या परेशानी नहीं होती है। प्रदोष व्रत करने से बीमारियों दूर रहती है और रोगों पर होने वाले खर्च में कमी आती है। अगर आप आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं तो उसे दूर करने के लिए प्रदोष का व्रत कर सकते हैं।

## आज का इतिहास

### 27 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

| | |
|---|---|
| 1290 | चीन के चिली की खाड़ी में भूकंप से करीब एक लाख लोगों की मौत हुई। |
| 1760 | मीर कासिम बंगाल के नवाब बने। |
| 1821 | मैक्सिको को स्वतंत्रता मिली। |
| 1825 | इंग्लैंड में स्टॉकटन-डार्लिंगटन लाइन की शुरुआत के साथ दुनिया का पहला सार्वजनिक रेल परिवहन शुरू हुआ। |
| 1940 | द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली, जर्मनी एवं जापान ने धूरी राष्ट्र के समझौते पर हस्ताक्षर किया। |
| 1958 | मिहिर सेन ब्रिटिश चैनल को तैरकर पार करने वाले पहले भारतीय बने। |
| 1961 | सिएरा लियोन संयुक्त राष्ट्र का सौवां सदस्य बना। |
| 1988 | अमेरिकी अंतरिक्ष यान 'डिस्कवरी' का केप कैनेवरल से प्रक्षेपण। |
| 1995 | बोस्निया में संघर्षरत तीन दलों के मध्य अमेरिकी मध्यस्थता में समझौता सम्पन्न। |
| 1996 | अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान द्वारा क़ाबुल पर अधिकार, पूर्व राष्ट्रपति नजीबुल्लाह एवं उनके भाई को सरेआम फ़ांसी। |
| 1998 | इंटरनेट सर्च इंजन गूगल की स्थापना हुई। |
| 1998 | जर्मनी में सम्पन्न हुए चुनाव में गेरहार्ड श्रोयडर ने हेल्मट कोल को हराकर नये चांसलर बने। |
| 2000 | वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ओपेक देशों का शिखर सम्मेलन शुरू। |
| 2003 | ध्वनि से भी अधिक तेज़ गति से उड़ने वाले ब्रिटिश एयर के कांकर्ड विमान ने न्यूयार्क से लंदन के लिए आख़िरी उड़ान भरी। |

# स्वर-माधुर्य की साम्राज्ञी हैं लता मंगेशकर

### विचार बिन्दु

ललित गर्ग

**आपने महल, बरसात, एक थी लड़की, बड़ी बहन आदि फिल्मों में अपनी आवाज के जादू से इन फिल्मों की लोकप्रियता में चार चांद लगाए।**

लता मंगेशकर 28 सितम्बर 2021 को 92 वर्ष की हो रही है। गायन के क्षेत्र में अब वे एक मिथक बन चुकी हैं। उनकी आवाज दुनिया के किसी हिस्से के भूगोल में कैद न होकर ब्रह्माण्डव्यापी बन चुकी हैं। उन्हें संगीत की दुनिया में सरस्वती का अवतार माना जाता है। हम कह सकते हैं कि हमारे पास एक चांद है, एक सूरज है तो एक लता मंगेशकर भी है। सचमुच अद्भुत, अकल्पित, आश्चर्यकारी है उनका रचना, स्वर एवं संगीत संसार। इसे चमत्कार नहीं माना जा सकता, इसे आवाज का कोई जादू भी नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह हूनर, शोहरत एवं प्रसिद्धि एक लगातार संघर्ष एवं साधना की निष्पत्ति है। एक लंबी यात्रा है संघर्ष से सफलता की, नन्हीं लता से भारतरत्न स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर बनने तक की। संगीत की उच्चतम परंपराओं, संस्कारों एवं मूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान् व्यक्तित्व है-लता मंगेशकर। लता मंगेशकर एक महान जीवन की अमर गाथा है। उनका जीवन अथाह ऊर्ज़ा से संचालित एवं स्वप्रकाशी है। वह एक ऐसा प्रकाशपुंज है, जिससे निकलने वाली एक-एक रश्मि का संस्पर्श जड़ में चेतना का संचार कर सकता है। वो ब्रह्म है। कोई उससे बड़ा नहीं। वो प्रथम सत्य है और वही अंतिम सत्ता भी। वो स्वर है, ईश्वर है, यह केवल संगीत की किताबों में लिखी जाने वाली उक्ति नहीं, यह संगीत का सार है और इसी संगीत एवं स्वर-माधुर्य की साम्राज्ञी है लता मंगेशकर। गीत, संगीत, गायन और आवाज की जादूगरी की जब भी चर्चा होती है, सहज और बरबस ही एक नाम लोगों के होठों पर आ जाता है- लता मंगेशकर। लताजी का जन्म 28 सितंबर, 1929 इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक कुशल रंगमंचीय गायक थे। लता का पहला नाम 'हेमा' था, मगर जन्म के 5 साल बाद माता-पिता ने इनका नाम 'लता' रख दिया था और इस समय दीनानाथजी ने लता को तब से संगीत सिखाना शुरू किया। उनके साथ उनकी बहनें आशा, ऊषा और मीना भी सीखा करतीं थीं। लता हमेशा से ही ईश्वर के द्वारा दी गई सुरीली आवाज, जानदार अभिव्यक्ति व बात को बहुत जल्द समझ लेने वाली अविश्वसनीय एवं विलक्षण क्षमता का उदाहरण रहीं हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण उनकी इस प्रतिभा को बहुत जल्द ही पहचान मिल गई थी। लेकिन पांच वर्ष की छोटी आयु में ही आपको पहली बार एक नाटक में अभिनय करने का अवसर मिला। शुरुआत अवश्य अभिनय से हुई किंतु आपकी दिलचस्पी तो संगीत में ही थी। इस शुभ्रवसना सरस्वती के विग्रह में एक दृढ़ निश्चयी, गहन अध्यवसायी, पुरुषार्थी और संवेदनशील संगीत-साधिका-आत्मा निवास करती है। उनकी संगीता-साधना, वैचारिक उदात्तता, ज्ञान की अगाधता, आत्मा की पवित्रता, सृजन-धर्मिता, अप्रमत्तता और विनम्रता उन्हें विशिष्ट श्रेणी में स्थापित करती है। लताजी के पूर्वजों का पुण्य प्रबल था और उसी पुण्य की बदौलत बचपन के संघर्षपूर्ण हालातों में किसी सज्जन व्यक्ति की प्रेरणा से मास्टर विनायक की 'प्रफुल्ल पिक्चर्स' संस्था में लता को प्रवेश मिल गया। उस संस्था ने 'राजाभाऊ', 'पहली मंगल गौर' 'चिमुक संसार' जैसे मराठी चित्रों में छोटी-छोटी भूमिकाएं मिलीं, जिन्हें लताजी ने बड़ी खूबी से निभाया। लताजी का लक्ष्य अभिनय की दुनिया नहीं था, वे संगीत की दुनिया में जाना चाहती थी। सौभाग्य से उन्हें पितृतुल्य संरक्षण और स्नेह देनेवाले गुरु खां साहब अमान अली मिल गए। उन्होंने डेढ़ साल तक लताजी को तालीम दी। तब लताजी ने हिन्दी-उर्दू का अभ्यास कर उच्चारण-दोष दूर करने का प्रयास शुरू कर दिया उनकी इस श्रम-साधना ने ही उन्हें यशस्वी गायिका बनाकर सफलता के सुमेरु पर पहुंचाया।

हैदर साहब ने उन्हीं दिनों बाम्बे टाकीज में बन रही फिल्म 'मजबूर' के लिए उन्हें पाश्र्ववगायिका के रूप में लिया। 'मजबूर' के गाने बड़े लोकप्रिय हुए और यहीं से लताजी का भाग्योदय शुरू हुआ। एक गुलाम हैदर ही क्या, 1947 से 2021 तक शायद एक भी ऐसा संगीत-निर्देशक नहीं होगा, जिसने लता से कोई न कोई गीत गवाकर अपने आपको धन्य न किया हो। लताजी के प्रशंसकों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी। इस बीच आपने उस समय के सभी प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया। अनिल विश्वास, सलिल चैधरी, शंकर जयकिशन, एस.डी.बर्मन, आर.डी.बर्मन, नौशाद, मदनमोहन, सी. रामचंद्र इत्यादि सभी संगीतकारों ने आपकी प्रतिभा का लोहा माना। लताजी ने दो आंखें बारह हाथ, दो बीघा जमीन, मदर इंडिया, मुगल-ए-आजम आदि महान फिल्मों में गाने गाए हैं।

# किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

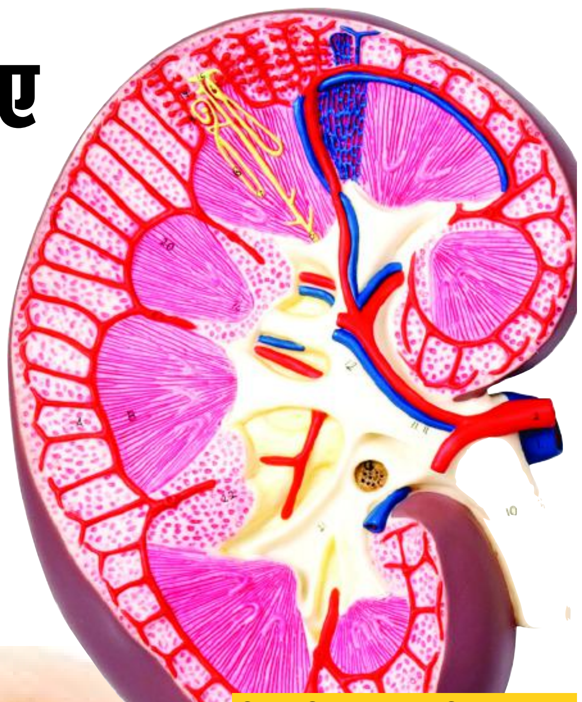

### दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

### जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

### मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

### दो तरह से होता है प्रभाव

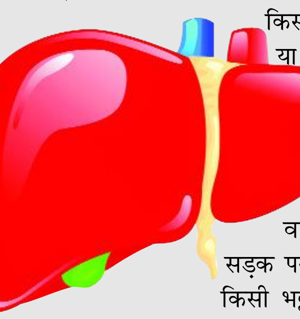

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

# हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

# न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

**न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु ( नर्व ) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।**

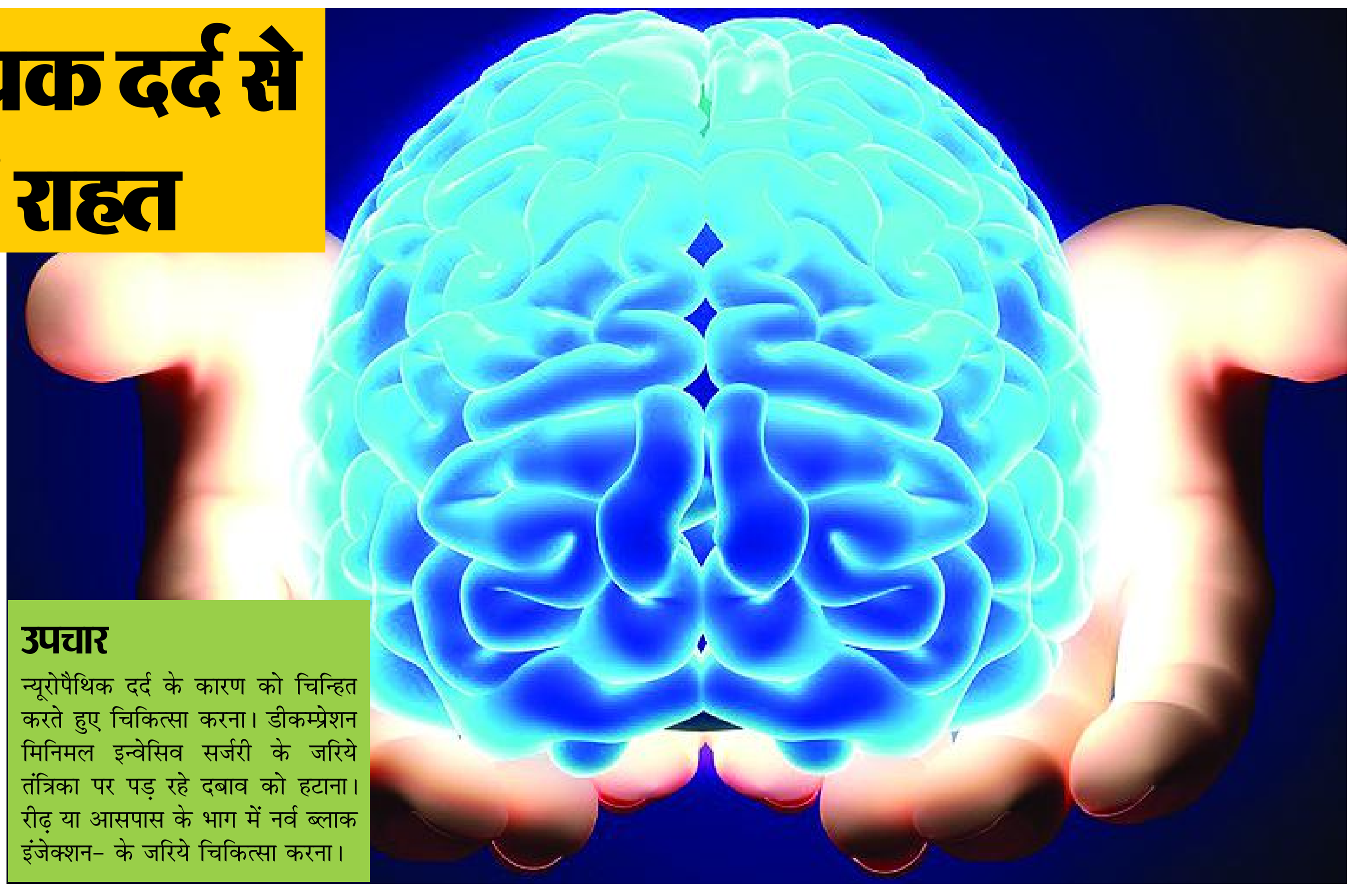

### उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

### लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

### कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

### डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

### गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

### रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

**व्यायाम**- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

**खान- पान:** में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

# क्यों उठ रहा है दिमाग में भूकंप

**बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।**

### पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्ऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

### बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

### इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

## मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

# स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्राय: शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दु:खदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अत: उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अत: यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण : कुपोषण होने पर प्राय: शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

**विटामिन बी:**की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

**विटामिन सी:** की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

**कारण:** कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्राय: अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

# 11 अक्टूबर को ओटीटी पर रिलीज होगी 'सरफिरा'

**नई दिल्ली।** अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'सरफिरा' ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म अब ओटीटी पर फिर से रिलीज की जा रही है। इस फिल्म में अक्षय कुमार को वीर महत्रे की भूमिका में देखा जा सकता है। अक्षय कुमार ने कहा कि ये कहानी है एक आम आदमी की, जो सभी लोगों के लिए आसानी से विमान की यात्रा मुमकिन कर सके। जब वह पीछे मुड़कर देखता है तो एक नई क्रांति की शुरुआत करता है। फिल्म 11 अक्टूबर को ओटीटी पर रिलीज की जाएगी। अक्षय कुमार ने कहा, 'सरफिरा एक ऐसे इंसान पर आधारित फिल्म है, जो अपने अथक प्रयासों से मेहनत करता है।

लाइफStyle

# दिव्या एयरपोर्ट पर खराब अनुभव से गुजरीं

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने एयरपोर्ट पर एक परेशानियों से भरा डरावना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किया है। दिव्या दत्ता ने बताया कि उन्हें कैसे एयरपोर्ट पर पहुंच कर चेक इन करने के बाद उन्हें पता चला कि उनका विमान रद्द हो चुका है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फ्लाइट को लेकर कोई घोषणा भी नहीं की गई। न ही रद्द होने का कोई मैसेज उनके पास आया। दिव्या ने कहा कि वह एयरपोर्ट पर बहुत असुरक्षित महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री दिव्या दत्ता सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एयरपोर्ट पूरी तरह से खाली नजर आ रहा है। दूर एक बेंच पर एक युवक बैठा दिख रहा है। इस वीडियो को शेयर कर दिव्या ने लिखा, 'तड़के ऐसे डरावने अनुभव के लिए धन्यवाद। मैंने एक रद्द की गई फ्लाइट के लिए चेक इन किया है। इस फ्लाइट के लिए मुझे कोई नोटिफिकेशन भी नहीं मिला है। मुझे यहां से बाहर निकलने के लिए भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है। मदद के लिए कोई स्टाफ भी मौजूद नहीं था। इस कारण मेरा शूट भी प्रभावित हुआ है, मैं बहुत बुरी तरह परेशान हूं'। दिव्या को अपनी इस पोस्ट पर कई सारी प्रतिक्रिया मिली हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि उन्हें बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ा है। आप इसे ट्विटर पर शेयर करें जल्द ही प्रतिक्रिया मिलेगी'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये कैसी प्रतिक्रिया है, अपने ग्राहकों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे। मुंबई में इन दिनों काफी बारिश हो रही है, बुधवार देर रात तक बारिश के कारण लोगों को मुंबई में बारिश से लोग परेशान हुए।

हॉलीवुड मसाला

# मुक्केबाज पर्दे पर दिखाएंगी जलवा

लॉस एंजिल्स। दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज निकोला एडम्स आगामी एक्शन-थ्रिलर द गन ऑन सेकंड स्ट्रीट से हॉलीवुड फिल्मों में पदार्पण करने जा रही हैं। इस फिल्म में पोपी डेलेविंगने, टॉम अर्नोल्ड और रूमर विलिस भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पिट्सबर्ग के दो पुलिस की है, जिनकी जिंदगी एक दुखद घटना के कारण बदल जाती है। कहानी का केंद्र अधिकारी टीजे मीडोज III है, जो घरेलू हिंसा के दौरान गलती से अपने पार्टनर को गोली मारकर उसकी हत्या कर देता है।

# यूके ने हिंदी फिल्म 'संतोष' को दी आस्कर में एंट्री...

लॉस एंजिल्स। किरण राव की मूवी 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री मिलने के बाद भारत से एक और मूवी का नाम सामने आ रहा है, जो इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड को पाने की रेस में आगे बढ़ी है। बताया जा रहा है कि संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष' को यूके ने 2025 में होने वाले ऑस्कर के लिए बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के रूप में चुना है। उसकी भी अब ऑफिशियल एंट्री हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म को **BAFTA** की तरफ से चुना गया है। 'संतोष' में शहाना गोस्वामी और सुनीता राजवर लीड रोल में हैं। और ये फिल इस साल ही कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर भी हुई थी, जहां पूरी कास्ट पहुंची थी। इस फिल्म को यूके में बड़े पैमाने पर रिलीज की गई थी।

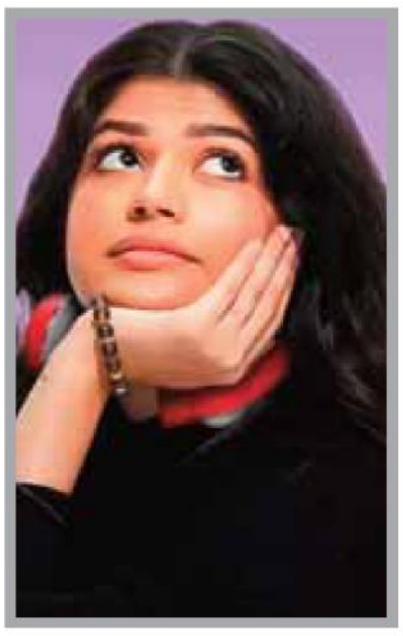

# 'बिन्नी एंड फैमिली' 27 से सिनेमाघरों में

**मुंबई।** वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन की फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान कई दिग्गज सितारे पहुंचे। अंजिनी धवन की फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए डेविड धवन और जैकी श्रॉफ पहुंचे थे। जैकी श्रॉफ हमेशा की तरह अपने अलग अंदाज में पैपराजी से मिलते दिखाई दिए। जैकी इस इवेंट में भी एक पौधा लेकर पहुंचे थे। अभिनेता अरबाज खान, ताहा शाह बदुशा और सुनील ग्रोवर अपने डैशिंग अवतार में नजर आ रहे थे। सुनील अपने अलग और मजाकिया अंदाज में पैपराजी से मिले। उन्होंने पैपराजी को फ्लाइंग किस भी दी। खुशी कपूर, क्रिस्टल डिसूजा और सौम्या टंडन ने अपनी खूबसूरत अदाओं से जलवा बिखेरा। खुशी ने इवेंट के लिए ब्लैक क्रॉप टॉप और जींस कैरी की थी।

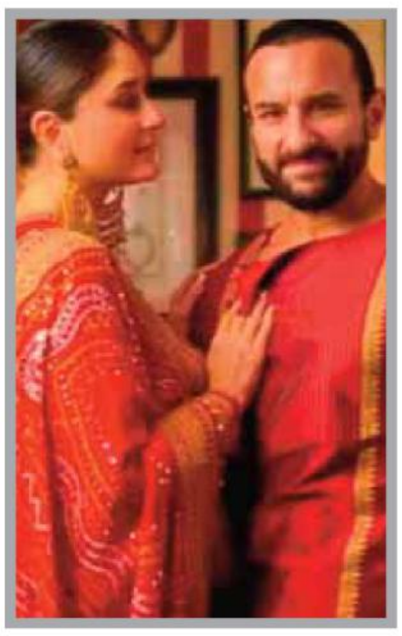

# 'स्पिरिट' में खलनायक बनेंगे सैफ-करीना

**मुंबई।** तेलुगु सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में प्रभास एक दमदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बॉलीवुड के पावर कपल सैफ अली खान और करीना कपूर खान कथित तौर पर 'स्पिरिट' में खलनायक का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। अगर यह कास्टिंग समाचार सच है, तो यह वास्तविक जीवन में विवाहित जोड़े द्वारा स्क्रीन पर विलेन की भूमिका निभाने का एक दुर्लभ उदाहरण है। 'एलओसी कारगिल', 'ओमकारा', 'टशन', 'कुर्बान' और 'एजेंट विनोद' के बाद यह जोड़ी छठी बार स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएगी। फिल्म को 500 करोड़ के भारी भरकम बजट से तैयार किया जाएगा।

टीवी मसाला

# 'केबीसी 16' के पहले करोड़पति बने चंद्र प्रकाश

**नई दिल्ली।** कौन बनेगा करोड़पति 16 को आखिरकार अपना पहला करोड़पति मिल गया है। जम्मू-कश्मीर के 22 वर्षीय चंद्र प्रकाश ने अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले क्विज शो में एक करोड़ रुपए की बड़ी रकम जीत ली है। अमिताभ बच्चन ने युवा प्रतियोगी से भूगोल का एक मुश्किल सवाल पूछा, जिसमें लिखा था, 'किस देश का सबसे बड़ा शहर उसकी राजधानी नहीं, बल्कि एक बंदरगाह है, जिसका अरबी नाम शांति का निवास है। जिसमें विकल्प थे- ए) सोमालिया, बी) ओमान, सी) तंजानिया, डी) ब्रुनेई।' प्रोमो में चंद्र प्रकाश एक करोड़ रुपए के सवाल का जवाब देने के लिए हिम्मत और आत्मविश्वास दिखाया। केबीसी 16 के इतिहास में वे पहले करोड़पति बने। इस दौरान अमिताभ बच्चन खुशी से झूम उठे और अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। उन्होंने चंद्र को गले लगाया और जीत की बधाई दी। 22 वर्षीय चंद्र प्रकाश की सात सर्जरी हो चुकी हैं, क्योंकि उन्हें जन्म से ही यह बीमारी है। बिग बी ने एपिसोड में युवा लड़के से कहा, 'तुम्हारा समर्पण तुम्हें यहां तक लेकर आया है और जैसा कि वे कहते हैं, दृढ़ता कभी-कभी सबसे अच्छा गुण होता है।

## फ्लॉप साबित हो रहा है 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'का दूसरा सीजन

**नई दिल्ली।** द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' का आगाज हो गया है। पहले एपिसोड में जहां आलिया भट्ट, करण जौहर और वेदांग रैना नजर आए थे। वहीं दूसरे एपिसोड में 'देवरा'की स्टार कास्ट- सैफ अली खान, जाह्नवी

कपूर और जूनियर एनटीआर दिखाई देंगे। बता दें, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स की टॉप 10 नॉन-इंग्लिश टीवी शो की लिस्ट में आठवें नंबर पर है। नेटफ्लिक्स के मुताबिक, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' के पहले एपिसोड को 1.2 मिलियन व्यूज मिले हैं। बता दें, पिछले साल जब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'का पहला सीजन शुरू हुआ था और शो में नीतू कपूर के साथ रणबीर कपूर ने शिरकत की थी तब उस एपिसोड को 2.4 मिलियन व्यूअरशिप मिली थी। इसका मतलब शो के व्यूज तब से लेकर अब तक 50% घट गए हैं।

# जान हथेली पर रखकर भाई का सुरक्षा कवच बनीं आलिया...

**मुंबई।** आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म 'जिगरा' का ट्रेलर जारी हो गया है। इस फिल्म में आलिया ने वेदांग की बहन की भूमिका निभाई है। ट्रेलर में वे अपने भाई की खातिर कोई भी हद तोड़ने को तैयार दिखी हैं। इस फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना की यह फिल्म 11 अक्टूबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आलिया भट्ट एक मजबूत किरदार में नजर आई हैं। फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म दो भाई-बहनों अंकुर (वेदांग रैना) और आलिया भट्ट (सत्या) पर बनी है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सत्या का भाई ड्रग्स केस में फंस जाता है। अंकुर बहन से दूर परदेस में है। सत्या के पास अपने भाई को बचाने के लिए सिर्फ तीन महीने हैं। वे अनाथ हैं, ऐसे में अपने रिश्तेदारों से उन्हें कोई उम्मीद नहीं। सत्या अपने भाई का सुरक्षा कवच बनती है और हर हाल में उसे बचाने के लिए जुट जाती है। आलिया भट्ट कहती हैं, 'अंकुर तूने कुछ किया? तेरे फोन से कभी कोई कॉल हुआ? तूने कुछ किया? ब्लड सैंपल लिए तो सबकुछ क्लीन आएगा न? तू चिंता मत कर, सब ठीक होगा। तू डर मत कुछ नहीं होगा'।

# अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में रिलीज होगी 'दो पत्ती'

**मुंबई।** अभिनेत्री काजोल और कृति सेनन जल्द ही एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां फिल्म 'दिलवाले' में साथ नजर आई थी, इस फिल्म के नौ साल बाद वह दोनों फिर एक साथ एक पर्दे पर दिखाई देंगी। दोनों की फिल्म 'दो पत्ती' अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में रिलीज होगी। अभिनेत्री कृति सेनन इस साल 'क्रू' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आई थी। अब वह ओटीटी पर शशांक चतुर्वेदी की 'दो पत्ती' में नजर आने वाली हैं। दो पत्ती पिछले साल 2023 दिसंबर में रिलीज किए जाने की घोषणा मेकर्स ने की थी। इस पोस्टर में काजोल, कृति सेनन को पोस्ट में देखा गया था। दो पत्ती टीजर में कृति सेनन एक कॉप के किरदार में नजर आ रही हैं। काजोल ने पहली बार किसी फिल्म में कॉप का किरदार निभाया है। फिल्म 'दो पत्ती' की शूटिंग पूरी होने का एक वीडियो कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने काजोल के लिए कहा कि आपके साथ फिर से काम करने का मौका मुझे मिला, मैं इसके लिए खुद को बहुत ही खुशनसीब मानती हूं। आप इस दुनिया में बहुत ही सरल और सहज स्वभाव की महिला हैं। आपने मुझे अपना सबसे अच्छा काम करने में बहुत मदद की है, उसके लिए धन्यवाद।

# काजू-बादाम नहीं, टिंडे-शलजम हैं धर्मेंद्र की सेहत का राज...

*नई दिल्ली। धर्मेंद्र बॉलीवुड के हीमैन और एक्शन किंग माने जाते रहे हैं। अपने करियर की शुरुआत से लेकर आज तक धरम पाजी अपनी फिटनेस को लेकर काफी अलर्ट रहे हैं। लेकिन, एक बात मानने वाली है कि उन्होंने कभी जिम का मुंह नहीं देखा। धरम पाजी ने खुद बताया था कि वह बचपन से ही खेतीबाड़ी में एक्टिव रहे हैं। खेतों में हल चलाया करते थे, कुएं से पानी खींचा करते थे। इस वजह से उन्हें कभी फिटनेस के लिए जिम जाने की जरूरत नहीं पड़ी। अपने रोजमर्रा के काम में ही उनके पास इतनी एक्टिविटीज होती थीं कि फिटनेस के लिए अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं थी।*

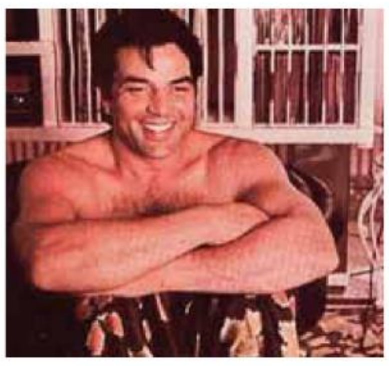

### रोज करते हैं एक्सरसाइज

धर्मेंद्र आज अपनी उम्र के हिसाब से उतनी कसरत तो नहीं कर पाते, लेकिन फिटनेस का पूरा ध्यान रखते हैं। उनके डेली रुटीन की बात करें तो वो रोज 30 मिनट साइकलिंग करते हैं। ये एक स्टेशनरी साइकिल होती है जैसी कि आपने जिम में देखी होगी। धर्मेंद्र रोजाना साइकलिंग करना मिस नहीं करते।

### क्या खाते हैं धरम पाजी?

आपने धर्मेंद्र के इंस्टाग्राम पर देखा होगा कि वो अक्सर ही सोशल मीडिया पर अपने फार्म हाउस में हुए फलों और सब्जियों के दर्शन करवाते रहते हैं। उनकी डाइट में भी ऐसी ही सिंपल चीजें शामिल हैं। आपको जानकर हैरान होगी को वो टिंडे और शलजम की सब्जी बड़े शौक से खाते हैं। इसके अलावा वो जीरो शुगर डाइट डाइट लेते हैं। जीरो शुगर यानी कि उनकी किसी भी खाने की चीज में शुगर नहीं होती. इस तरह की डाइट उन्हें एक्टिव और हेल्दी रहने में मदद करती है।

# इस फोटो में नजर आ रहे हैं बॉलीवुड के तीन काइयां विलेन

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड फिल्मों में हमेशा से अगर हीरो रहा है तो बेस्ट विलेन्स भी रहे हैं। जो अपनी नेगेटिविटी से लोगों को नेगेटिव बना देते थे। वो अपने किरदार में इतना घुस जाते थे कि लोग उनसे डरने लगते थे। 50-80 के दशक में बॉलीवुड में तीन विलेन्स की टोली रही है। हर फिल्म में इन तीनों में से कोई ना कोई नजर आ जाता था। विलेन्स की इन टोली की एक पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें से जो बीच वाले हैं वो धोखा देने में माहिर थे। जिसकी हम बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं, बल्कि जीवन साहब हैं। इस फोटो में सबसे पहले प्राण, फिर जीवन साहब और फिर मदन पुरीजी नजर आ रहे हैं। जीवन साहब फिल्मों में अक्सर किसी ना किसी को धोखा देते थे, जिसकी वजह से उनका नाम ही धोखेबाज रख दिया गया था। इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो को देखकर लोगों को पुराने दिन याद आ गए हैं।

### बॉलीवुड के हैं बेस्ट विलेन

*बॉलीवुड के बेस्ट विलेन की फोटो देखकर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- बॉलीवुड के बेस्ट विलेन, इन्हें कोई रिप्लेस नहीं कर सकता है। वहीं, दूसरे ने लिखा- आइकॉनिक फोटो। एक ने लिखा- प्राण साहब, जीवन साहब और मदन पुरी। कई फैंस इस फोटो पर हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। जीवन साहब की फिल्मों की बात करें तो उन्होंने फागुन, नया दौर, नौ दो ग्यारह, एक ही रास्ता जैसी कई फिल्मों में काम किया है। उनकी हर फिल्म हिट ही साबित होती थी। जीवन साहब 10 जून 1987 को इस दुनिया को अलविदा कहकर चले गए थे।*

## खबर संक्षेप

### मेक्सिको ने लगाया डॉ रेड्डीज पर 28 लाख रुपए का जुर्माना

**नई दिल्ली।** डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि मेक्सिको के दवा नियामक ने उसपर करीब 28 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। हैदराबाद स्थित दवा कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि मेक्सिको के दवा नियामक सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) में से एक के लिए यह जुर्माना लगाया।

### एनटीपीसी का संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर

**नई दिल्ली।** एनटीपीसी की इकाई एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने हरित परियोजनाओं के लिए महात्मा फुले नवीकरणीय ऊर्जा व अवसंरचना प्रौद्योगिकी (महाप्रीट) के साथ संयुक्त उद्यम समझौता किया है। एनटीपीसी ने कहा, संयुक्त उद्यम महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य में 10 गीगावाट के अक्षय ऊर्जा पार्क व परियोजनाओं का विकास करेगा।

### आकाश अंबानी वायकॉम18 के निदेशक मंडल में शामिल

**नई दिल्ली।** रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी वायकॉम18 के निदेशक मंडल में शामिल हो गए हैं। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। वैश्विक मीडिया दिग्गज वॉल्ट डिज्नी के भारतीय कारोबार के साथ वायकॉम18 के विलय से पहले यह बदलाव किया गया है।

### बामर लॉरी की 700 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की योजना

**कोलकाता।** विविध क्षेत्र में कार्यरत कंपनी बामर लॉरी एंड कंपनी ने 2030 तक 6,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने के लक्ष्य के साथ 700 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। कंपनी एथनॉल उत्पादन में विविधता लाने, मुंबई में मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र स्थापित करने और सुविधाओं को उन्नत करने की योजना बना रही है।

### ऑलकार्गो गती जनवरी से कीमतें 10.2 % तक बढ़ाएगी

**मुंबई।** लॉजिस्टिक कंपनी ऑलकार्गो गति लिमिटेड ने अगले साल एक जनवरी से अपने 'एक्सप्रेस शिपमेंट' की कीमतों में औसतन 10.2 प्रतिशत की वृद्धि करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखते हुए पिछले कुछ वर्षों में लागतों में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि की भरपाई करने में मदद करेगी।

### लोहुम क्लीनटेक ने अमेरिकी कंपनियों से किया करार

**मुंबई।** लोहुम क्लीनटेक ने अमेरिका स्थित रीएलिमेंट टेक्नोलॉजीज और अमेरिकन मेटल्स के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत वह तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश से अमेरिका में लिथियम-आयन बैटरी सामग्री प्रसंस्करण सुविधा संयुक्त रूप से स्थापित करेगी। 15.5-जीडब्ल्यूएच पूर्णतः एकीकृत बैटरी पुनर्चक्रण, पुनःउपयोग और महत्वपूर्ण सामग्री उत्पादन संयंत्र से शुरू में प्रतिवर्ष 315,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की आवश्यकता पूरी होने की उम्मीद है।

# हुरुन इंडिया के अंडर 35 सफल उद्यमी में ईशा व आकाश अंबानी ने बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी 35 वर्ष से कम उम्र के सफल उद्यमी के तौर पर हुरुन इंडिया के अंडर 35 लिस्ट में अपना स्थान बनाने में कामयाब रही है।

- सूची में सात महिलाएं हैं जिसमें चार पारिवारिक विरासत को संभाल रही

ईशा अंबानी के अलावा टॉडल की पारिता पारिख भी ईशा अंबानी के साथ 2024 हुरुन इंडिया अंडर35 लिस्ट में स्थान मिला है। ईशा अंबानी और पारिता पारिख दोनों ही फिलहाल 32 वर्ष की हैं। हुरुन इंडिया ने देश में सबसे सफल 150 उद्यमियों को लेकर 2024 हुरुन इंडिया अंडर 35 लिस्ट जारी की है।

## शेयरचैट के अंकुश सचदेवा सबसे युवा उद्यमियों के तौर पर उभरे

### वैश्विक चुनौती के बावजूद बने सफल उद्यमी

हुरुन इंडिया अंडर 35 लिस्ट जारी करने पर हुरुन इंडिया के एमडी और चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद ने कहा, देश की अर्थव्यवस्था का जैसे विस्तार हो रहा है हमारा रिसर्च 35 साल से कम उम्र के डेमोग्राफिक में डायनमिक उद्यमी स्पिरिट को उजागर करता है। इन युवा उद्यमियों ने वैश्विक चुनौतियां, जटीलता, महंगाई और दूसरे आर्थिक संकट का सामना करने के बावजूद बेहद सफल कंपनियां तैयार की हैं।

### 123 फर्स्ट जेनरेशन उद्यमी

हुरुन इंडिया अंडर 35 सूची में सात महिलाएं हैं जिसमें चार पारिवारिक विरासत को संभाल रही हैं। इस सूची के मुताबिक 150 उद्यमी में 13 आईआईटी मद्रास से, 11 आईआईटी बॉम्बे से और आईआईटी दिल्ली और आईआईटी खड़गपुर से 10 उद्यमी लिस्ट में शामिल हैं। हुरुन इंडिया अंडर 35 सूची में 123 फर्स्ट-जेनरेशन उद्यमी हैं जो कि कुल शामिल किए गए लोगों का 82 फीसदी है।

### कई गुना ज्यादा वैल्यूएशन का बिजनेस तैयार

जुनैद ने कहा, हमारे एस्टीमेट के मुताबिक 30 वर्ष से कम उम्र के उद्यमियों ने जो बिजनेस तैयार किया है उसका वैल्यू 10 मिलियन डॉलर के करीब है। तो इनसे ज्यादा अनुभवी 35 साल से कम उम्र के उद्यमियों ने 50 मिलियन डॉलर के वैल्यू वाला बिजनेस तैयार किया है जबकि इनमें से कुछ ने इससे कई गुना ज्यादा वैल्यूएशन वाला बिजनेस तैयार किया है।

## 100 से अधिक वस्तुओं पर कर की दरों में बदलाव पर बातचीत

# जीएसटी दर युक्तिकरण: जीओएम ने 12 प्रतिशत 'स्लैब' में कटौती पर चर्चा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह ने 100 से अधिक वस्तुओं पर कर की दरों में बदलाव पर चर्चा की है। उन्होंने बताया कि आम आदमी को राहत देने के लिए कुछ वस्तुओं पर कर की दर को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का मुद्दा भी इसमें शामिल है।

भट्टाचार्य ने कहा कि मंत्री समूह की अगली बैठक 20 अक्टूबर को होगी। साइकिल और बोतलबंद पानी पर कर को तर्कसंगत बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। छह सदस्यीय मंत्रिसमूह (जीओएम) ने बुधवार को बैठक की और 12 प्रतिशत 'स्लैब' में चिकित्सा तथा औषधि से संबंधित वस्तुओं पर कर दर में कटौती का मुद्दा भी उठाया तथा अगले महीने होने वाली अपनी बैठक में इस पर चर्चा करने का निर्णय लिया है।

- आम आदमी को राहत देने दर 12 से घटाकर 5 फीसदी करने का मुद्दा
- साइकिल और बोतल बंद पानी पर कर तर्कसंगत बनाने पर चर्चा
- मंत्री समूह की अगली बैठक 20 अक्टूबर को होगी

### चार स्तरीय कर संरचना

ऐसी वस्तुओं पर कर की दर कम करने के कारण होने वाली राजस्व हानि की भरपाई के लिए, मंत्री समूह ने 'ऐराटिड' जल व पेय पदार्थों सहित कुछ वस्तुओं पर कर की दर को वर्तमान 28 प्रतिशत जीएसटी तथा उपकर से बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा की। वर्तमान में, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) एक चार-स्तरीय कर संरचना है। इसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की 'स्लैब' हैं।

### सिफारिशें जीएसटी परिषद के समक्ष रखी जाएगी

मंत्री समूह 20 अक्टूबर की बैठक में अपने सदस्यों के विचारों पर आगे विमर्श करेगा और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद के समक्ष रखेगा। जीएसटी परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करेंगी तथा जिसमें सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दरें कम होनी चाहिए तथा खाद्य वस्तुओं को 12 प्रतिशत की दर से पांच प्रतिशत की दर पर लाने से कीमतों में कमी के रूप में उन्हें राहत मिलेगी।

### ई-साइकिल पर पांच फीसदी कर

भट्टाचार्य ने कहा, " हमें आम लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली साइकिल के लिए कर की दर कम करने पर विचार करना होगा। मंत्री समूह इस पर आगे विचार-विमर्श करेगा।" साइकिल और उसके कलपुर्जों तथा अन्य उपकरणों पर वर्तमान में 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ई-साइकिल पर पांच प्रतिशत कर है।

### इन राज्यों के वित्त मंत्री शामिल

छह सदस्यीय मंत्री समूह में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य सेवा मंत्री गजेंद्र सिंह, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायर गौड़ा और केरल के वित्त मंत्री के एन. बालगोपाल शामिल हैं।

### कुछ वस्तुएं 28 फीसदी स्लैब में आ सकती है

हालांकि, 18 प्रतिशत 'स्लैब' में शामिल कुछ वस्तुएं जैसे हेयर (बाल) ड्रायर, हेयर कर्लर, तथा सौंदर्य या मेक-अप (प्रसाधन) उत्पाद फिर से 28 प्रतिशत 'स्लैब' में आ सकते हैं। साइकिल पर कर लगाने के बारे में पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री ने कहा कि यह आम आदमी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तु है, जबकि उच्च-स्तरीय उत्पाद भी हैं।

# प्राकृतिक रबर की ऊंची कीमतों से टायर विनिर्माताओं का लाभ होगा प्रभावित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्राकृतिक रबड़ की ऊंची कीमतें टायर विनिर्माताओं की लाभप्रदता को प्रभावित कर सकती हैं। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स ने यह बात कही है।

क्रिसिल ने बयान में कहा कि टायर निर्माता मुश्किल के दौर से गुजर रहे हैं, क्योंकि मजबूत मांग और कम आपूर्ति के बीच इस वित्त वर्ष के पहले पांच माह में ही प्राकृतिक रबड़ की कीमत में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे टायर विनिर्माताओं की लाभप्रदता प्रभावित हो सकती है। इसमें कहा गया है कि प्राकृतिक रबड़ की घरेलू कीमतें अगस्त में औसतन 238 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुईं, जो पिछले एक दशक के रुझान से काफी ऊपर है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के निदेशक-अनुसंधान पुशन शर्मा ने कहा कि वित्त वर्ष 2010-11 और 2022-23 के बीच वैश्विक रबड़ उत्पादन में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मांग में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसके चलते आपूर्ति की कमी हुई और कीमतें बढ़ गईं।

- रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी की रिपोर्ट
- टायर निर्माता मुश्किल दौर से गुजर रहे

### प्राकृतिक रबर की कीमत ऊंची बने रहने की उम्मीद

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के सहायक निदेशक-शोध, मोहित अदनानी ने कहा, "मांग में और वृद्धि तथा सीमित आपूर्ति के कारण प्राकृतिक रबड़ की कीमतें ऊंची बनी रहने की उम्मीद है, जिसका असर 2024-25 से भी आगे टायर निर्माताओं के लाभ पर पड़ेगा।"

# ओला इलेक्ट्रिक 2025 तक 10,000 बिक्री आउटलेट करेगी स्थापित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओला इलेक्ट्रिक ने छोटे शहरों तथा कस्बों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए 2025 के अंत तक 10,000 बिक्री व सेवा आउटलेट स्थापित करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता ने कहा कि उसने एक नेटवर्क साझेदार कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य ईवी क्रांति को छोटे तथा मझोले शहरों में ले जाना है, जिसमें ऐसे शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं जहां इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच अब भी कम है। कंपनी ने बयान में कहा, इस पहल के तहत उसने समूचे भारत में अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए 625 साझेदारों को अपने साथ जोड़ा है।

- दोपहिया वाहनों के लिए नेटवर्क साझेदार कार्यक्रम किया शुरू

*ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर व बाइक बेचती है : नेटवर्क साझेदार हमारे डी2सी नेटवर्क के लाभ को और बढ़ाएगा, क्योंकि इसके लिए भागीदारों से सीमित पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है और इसे बहुत तेजी से बढ़ाया जा सकता है। ओला इलेक्ट्रिक 74,999 रुपये से लेकर 1,99,999 रुपये तक की कीमत वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर तथा मोटर साइकिल बेचती है।*

## स्पाइसजेट ने कर्मियों को किया बकाया वेतन का भुगतान

**मुंबई।** घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने 3,000 करोड़ रुपये की नई पूंजी हासिल करने के बाद अपने कर्मचारियों के सभी लंबित वेतन का भुगतान कर दिया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सभी कर्मचारियों का जुलाई तथा अगस्त के वेतन के अलावा ऐसे कर्मचारी जिन्हें जून का आंशिक वेतन दिया गया था, के खातों में उनका वेतन जमा कर दिया गया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कर्मचारियों के लंबित वेतन के भुगतान की पुष्टि की। प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बिना कोई विस्तृत जानकारी दिए कहा, 'कर्मचारियों को लंबित वेतन बुधवार शाम को दे दिया गया।' विमानन कंपनी ने ढाई साल से भविष्य निधि का भुगतान नहीं किया है, जबकि कर्मचारियों के वेतन से हर महीने काटा जाने वाला टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) भी सरकार के पास जमा नहीं किया है।

# ओपनएआई से सीईओ मुरारी ने किया अलग होने का फैसला

**सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)।** कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित मंच चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मीरा मुराती ने कंपनी से अलग होने का फैसला किया है। मुराती ने पिछले वर्ष कुछ दिनों तक कंपनी की अंतरिम मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के तौर पर भी सेवाएं दी थीं। मीरा मुराती ने बुधवार को लिखित बयान में कहा कि काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने " ओपनएआई से अलग होने का कठिन निर्णय लिया है।'उन्होंने बयान में कंपनी तथा उसके सीईओ सैम ऑल्टमैन को लेकर सकारात्मक विचार व्यक्त किए। मुराती ने साथ ही कहा कि कंपनी " एआई नवाचार के शिखर पर " है।

# सोना 78,250 रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर, चांदी में भी 1,000 रुपए का उछाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख तथा आभूषण विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर को लांघ गया।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, सोने में लगातार दूसरे दिन भी रिकॉर्ड तेजी रही। सोना 400 रुपये की तेजी के साथ 78,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। बुधवार को कीमती धातु 77,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। मजबूत विदेशी रुख के बीच औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की मजबूत मांग के कारण चांदी भी 1,000 रुपये बढ़कर 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में चांदी 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के ताजा उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मांग में तेजी के साथ-साथ मजबूत वैश्विक रुख से सोने की कीमतों को समर्थन मिला। इस बीच, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अक्टूबर डिलिवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 162 रुपये बढ़कर 75,475 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। दिसंबर डिलिवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 1,034 रुपये बढ़कर 93,079 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

- वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती
- आभूषण विक्रेताओं की सतत खरीदारी जारी
- सोने में 400 रुपए की तेजी दर्ज की गई

### अमेरिकी डॉलर ने धातुओं को दिया समर्थन

गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के अलावा, इसने कीमती धातुओं को भी समर्थन दिया। एशियाई कारोबारी घंटों में चांदी भी 2.63 प्रतिशत बढ़कर 32.86 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

# एथेनॉल का दाम बढ़ान पर विचार

नई दिल्ली। खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 2024-25 सत्र के लिए एथनॉल की कीमत तथा चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य को बढ़ाने पर विचार कर रही है। जोशी ने कहा कि एथनॉल की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस मामले को देख रहा है। यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि सरकार ''चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है'', जो फरवरी, 2019 में तय दर 31 रुपये प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है।

# शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी सेंसेक्स, निफ्टी ने बनाया नया शिखर

- बीएसई 666 अंक उछल 85,836 अंक पर हुआ बंद
- निफ्टी भी 212 अंक उछलकर 26,216 के उच्च स्तर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 666 अंक से अधिक उछलकर अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी नये शिखर पर पहुंच गया।

कारोबारियों के अनुसार, वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच वाहन और बैंक शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। बीएसई सेंसेक्स 666.25 अंक की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 85,836.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 211.90 अंक की बढ़त के साथ 26,216.05 अंक के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''चीन में हाल में जो आर्थिक प्रोत्साहन उपायों की घोषणा हुई है, उससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसके कारण वैश्विक बाजारों खासकर एशिया के अन्य बाजारों में सकारात्मक रुख रहा।

*सबसे अधिक तेजी मारुति के शेयर में : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से मारुति में करीब पांच प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और नेस्ले के शेयर भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। लार्सन एंड टुब्रो और एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे।*

## घरेलू रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का प्रयास करना होगा

# भारत को विनिर्माण पर अधिक ध्यान देने की जरुरत: राजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन घरेलू विनिर्माण एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्षेत्रों में भी अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

- पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन हुआ

राजन ने कहा कि सरकार का वस्तु एवं सेवा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना अच्छी बात है लेकिन इस काम को सही ढंग से अंजाम देना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने नरेन्द्र मोदी सरकार की पहल 'मेक इन इंडिया' पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं कहूंगा कि इरादा अच्छा है।

*कारोबारी सुगमता बेहतर करने की वकालत : राजन ने कारोबारी सुगमता को बेहतर करने की भी वकालत की। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ने इसे एक पैकेज बताते हुए कहा कि यह आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देता है। अगर हम उसपर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो मुझे लगता है कि इससे 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा मजबूत होगी।*

### कारोबारियों से उनकी कठिनाई पूछना चाहिए

इस समय अमेरिका स्थित शिकॉगो बूथ में वित्त के प्रोफेसर राजन ने कहा कि सरकार को कारोबारियों से उनके सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में पूछना चाहिए, सिर्फ विश्व बैंक के कारोबारी सुगमता से जुड़े बिंदुओं पर ही नहीं चलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया दिया कि सरकार को अपनी नीति की आलोचना को यह कहकर खारिज नहीं करना चाहिए कि इसमें कुछ निहित स्वार्थ या कोई छिपा हुआ एजेंडा है।

### भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की और

भारत को इस दशक में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सात प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि के पर्याप्त होने के बारे में पूछे गए सवाल पर राजन ने कहा, "यदि हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ते हैं, तो हम दो-तीन वर्षों में जर्मनी और जापान से आगे निकल जाएंगे। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो संभावना के दायरे से बाहर हो।"

### विकसित राष्ट्र बनने उच्च वृद्धि कहा से उत्पन्न करेंगे

इसके साथ ही राजन ने कहा, ''हालांकि सबसे ज़्यादा चिंता की बात यह है कि जब हम विकसित राष्ट्र कहते हैं तो विकसित होने का मतलब क्या है? यह भी एक बदलता हुआ पैमाना है। इसके अलावा हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए उच्च वृद्धि कहां से उत्पन्न करेंगे।''

## प्रधानमंत्री ने हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं से किया संवाद

# पीएम मोदी ने कसा तंज कहा- राजा हरिशचंद्र का 'नकाब' पहनकर घूम रही कांग्रेस, शाह बोले- आतंकवाद को पाताल तक दफन करेंगे

*हरियाणा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से नमो एप के माध्यम से सीधा संवाद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में उधमपुर, कठुआ सहित पांच रैलियों को संबोधित किया। दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने करनाल के असंध में और हिसार के बरवाला की चुनाव रैली में भाजपा सरकार पर हमला बोला, कहा कि उसने हरियाणा को बर्बाद*

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/करनाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर न केवल झूठ बोलने का आरोप लगाया बल्कि उनकी सरकार में दलितों पर अत्याचार होते थे लेकिन घटनाएं सामने नहीं आतीं थीं। इसकी वजह ये थी की कांग्रेस का मीडिया मैनेजमेंट बहुत मजबूत था। कांग्रेस नेता झूठ तो इस तरह बोलते हैं मानों सत्य के अवतार हों और राजा हरिश्चंद्र का नकाब पहनकर घूम रहे हों। पीएम नरेंद्र मोदी ने नमो एप के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर रहे थे।

उन्होंने प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के कार्यकर्ता, चाहे वो पुरानी पीढ़ी के हों या नई पीढ़ी के, उनकी मेहनत और समर्पण ने हमेशा उन्हें प्रेरित किया है। उन्होंने खासतौर पर हरियाणा के लोगों के हसमुख स्वभाव और गंभीर विषयों को भी हल्के अंदाज में समझाने की कला की तारीफ की। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने वोट पाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए, जैसे हर घर की सोने की छत बना देंगे, लेकिन सरकार बनने के बाद हाथ खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार विकास कार्यों को नहीं कर पा रही है, सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रही है, और सरकारी भर्तियां ठप्प पड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को इस बात से परेशानी होती है कि देश का पीएम और हरियाणा का मुख्यमंत्री पिछड़े समाज से कैसे बन गए। इसलिए, ये लोग झूठ फैलाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर पिछड़े समाज की ताकत बढ़ गई, तो उनका क्या होगा। उन्होंने किसानों को भी कांग्रेस के खिलाफ खड़ा होने का आह्वान किया, विशेष रूप से एमएसपी को लेकर कांग्रेस द्वारा किए गए वादों पर सवाल उठाने की बात कही।

**सीधे मैदान से**

### कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता: जेपी नड्डा

भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उसे 'शहरी नक्सलियों का प्रवक्ता' बताया। नड्डा ने ओडिशा में भाजपा के सदस्यता अभियान के मौके पर एक बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।उन्होंने बुद्धिजीवियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गई है और वह देश में विभाजनकारी शक्तियों को बढ़ावा दे रही है। राज्य में ये बुद्धिजीवी भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 पर और तीन तलाक प्रथा के समापन पर भी कांग्रेस के रूख की निंदा की। दोनों दलों की तुलना करते हुए नड्डा ने कहा कि जहां कांग्रेस अकेले-अकेले काम करती है, वहीं भाजपा सबके साथ मिलकर काम करती है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम 'सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा एक सच्ची राष्ट्रवादी पार्टी है जो लोकतांत्रिक ढंग से काम करती है। भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं और अधिकतम जनाधार वाला एक वैचारिक दल है।

### शाह बोले- अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली की। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40 हजार लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे। वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा। शाह ने कहा जम्मू-कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। हमारी सरकार ने धारा-370 को खत्म कर दिया। अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जब यहां न धारा-370 है और न ही अलग झंडा है। कांग्रेस और नेकां जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे।

## सदन में बोले अरविंद केजरीवाल

### मोदी भगवान नहीं... आप को बदनाम करने की साजिश

दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय सत्र की शुरुआत हो चुकी है। दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे और सिसोदिया को देखकर विपक्ष दुखी है। भाजपा वालों ने राजनीति का स्तर नीचे गिराया। मोदी ताकतवर हो सकते हैं लेकिन भगवान नहीं हो सकते। हमें बदनाम करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी कई योजनाएं बंद कर दी। दिल्ली की जनता को परेशान किया जा रहा है। भाजपा की दिल्ली ठप करने की कोशिश है। मेरे जेल जाने पर दिल्ली के सभी कामों को रोक दिया गया। केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में भाजपा 27 साल से वनवास काट रही है। दिल्ली की जनता वोट नहीं कर रही है। जनता को परेशान किया जा रहा है। हमने स्वास्थ्य और स्कूल पर काम किया। आप भी काम करें। जनता देख रही है। वोटिंग वाले दिन जनता बटन दबाकर ताकत दिखाएगी।

## नेमप्लेट वाले फरमान पर

### सुक्खू के फैसले से हिमाचल सरकार असहमत, हाईकमान ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। यूपी की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने भी दुकानदारों को फरमान जारी किया है और वेंडर्स, होटल मालिकों, ढाबा वालों को अपना नाम और पहचान लिखना अनिवार्य कर दिया है। एक दिन पहले ही सुक्खू सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इसका ऐलान किया। हालांकि, मंत्री विक्रमादित्य सिंह की टिप्पणी से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी हाईकमान नाराज है। उन्हें हाईकमान ने दिल्ली तलब किया और जमकर फटकार लगाई। उन्होंने प्रभारी राजीव शुक्ला को मामले की जानकारी दी है।

### राहुल बोले- पीएम मोदी ने रोजगार व्यवस्था को ध्वस्त किया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर हरियाणा में करनाल जिले के असंध में और हिसार जिले के बरवाला में पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और उन पर देश में रोजगार व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से खत्म करने का आरोप लगाया। करनाल के असंध में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने विश्वास जताया कि कांग्रेस पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करेगी। भाजपा सरकार पर हमला करते हुए गांधी ने कहा कि उसने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने हरियाणा के लिए कांग्रेस के चुनावी वादों के बारे में भी बात की, जिसमें उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर महिलाओं को 2,000 रुपए प्रति माह और रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपए में देने की बात शामिल है।

#### राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में कई अमीर दिखे, गरीब नहीं दिखा

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अडानी-अंबानी और बॉलीवुड के सितारे दिखे, लेकिन कोई गरीब नहीं दिखा। जब किसान से उसका धन छीना जाता है, तो उसके आंसू नहीं दिखते। किसान रो नहीं सकते, उन्हें अपने आंसू छिपाने पड़ते हैं, क्योंकि उन्हें रोता देखकर बच्चे भी रोने लगेंगे। आज जहां देखो सिर्फ अडानी-अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है। सच्चाई यही है- काले कृषि कानून से लेकर जीएसटी, नोटबंदी तक इन्हीं लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए लाए गए थे। मैंने अमेरिका में युवाओं से पूछा कि क्या आप अपने परिवार से मिलते हैं? उन्होंने कहा- राहुल जी हम 10 साल के लिए अपने माता-पिता, बच्चों और परिवार से नहीं मिल पाएंगे। मुझे कहा गया कि जब मैं हिंदुस्तान लौटूं तो 5 मिनट के लिए उनके परिवारों से मिलकर ये बताऊं कि वे ठीक हैं। क्योंकि फोन पर परिवार के लोग उनके सही-सलामत होने की बात पर यकीन नहीं करते।

## खबर संक्षेप

### वक्फ बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

मुंबई। मुंबई में वक्फ बिल पर गुरुवार को संसदीय संयुक्त समिति की बैठक हुई। इस दौरान मीटिंग में जमकर हंगामा हुआ और विपक्षी दलों ने बैठक का बहिष्कार किया। हालांकि कुछ समय बाद फिर से बैठक शुरू हो सकी। दरअसल, शिवसेना के सांसद नरेश म्हस्के और टीएमसी के कल्याण बनर्जी मीटिंग के दौरान आपस में भिड़ गए।

### यूट्यूबर एल्विश यादव की संपत्तियां कुर्क

नोएडा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूट्यूबर एल्विश यादव और कुछ अन्य के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत संपत्तियां कुर्क की हैं। बताया कि पीएमएलए के तहत एक अंतिम आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एल्विश द्वारा आयोजित पार्टियों में सांप के जहर के प्रयोग और संबंधित वित्तीय लेनदेन से संबंधित मामले में पूछताछ की हैं। केंद्रीय एजेंसी ने मई में मामला दर्ज कर पीएमएलए के तहत आरोप लगाए थे।

### असम में 4.3 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

दिसपुर। असम में गुरुवार शाम धरती कांपी और भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम के नागांव जिले के कामपुर कस्बे के पास भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यह भूकंप गुरुवार शाम को तकरीबन 4:30 बजे के करीब आया। इसका केंद्र कामपुर टाउन से करीब 5 किलोमीटर दूर था। हालांकि भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

## कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार का बड़ा फैसला

# सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति ली वापस, केंद्रीय एजेंसी को लेनी होगी अनुमति

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले ली है। राज्य कानून मंत्री एचके पाटिल ने इसकी जानकारी दी। अब केंद्रीय जांच एजेंसी बिना राज्य सरकार की अनुमति के कर्नाटक में प्रवेश नहीं कर सकेगी।

एचके पाटिल ने कहा, हम सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले रहे हैं। हम राज्य में सीबीआई के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। हमने सभी मामलों में सीबीआई का हवाला दिया है। उन्होंने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया। कई मामले लंबित पड़े हैं। उन्होंने हमारे द्वारा भेजे गए कई मामलों की जांच करने से भी इनकार कर दिया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। वे पक्षपाती हैं, इसलिए हमने यह फैसला लिया। हमने मुडा घोटाले के कारण यह फैसला नहीं लिया। हमने यह फैसला केवल उन्हें गलत रास्ता अपनाने से बचाने के लिए है।

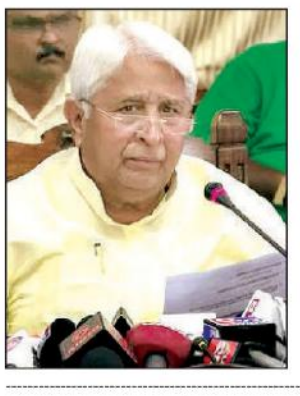

### *इसलिए होती है अनुमति की जरूरत*

*दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपने अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है। डीएसपीई अधिनियम की धारा-6 के तहत सीबीआई का गठन किया गया है। इस प्रावधान के तहत, डीएसपीई का एक सदस्य यानी सीबीआई संबंधित राज्य सरकार की सहमति के बिना उस राज्य में अपनी शक्तियों और अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकती है।*

### सीएम पद के लिए दावेदारी नहीं: शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में सिद्धरमैया के लोकायुक्त जांच का सामना करने के मद्देनजर पार्टी के किसी भी नेता ने सीएम पद के लिए दावा पेश नहीं किया है। उन्होंने सिद्धरमैया के पद से इस्तीफा देने की संभावना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह सीएम के खिलाफ राजनीतिक साजिश है। इसमें कोई दम नहीं है। वे (विपक्षी दल) बेवजह राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इसका कानूनी तरीके से सामना करेंगे।

#### इस्तीफा नहीं दूंगा, कुछ गलत नहीं किया: सीएम

सीएम सिद्धरमैया ने एक बार फिर दोहराया कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने मुडा द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंड आवंटित किए जाने में किसी भी तरह की अनियमितता के आरोपों को खारिज कर दिया। सिद्धरमैया ने खुद पर लगे आरोपों को भाजपा का षड़यंत्र करार देते हुए कहा कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। यह भाजपा और जनता दल एस की राजनीतिक साजिश है।

#### *भाजपा ने किया प्रदर्शन, सीएम का मांगा इस्तीफा*

*भाजपा ने भूआवंटन मामले में एक विशेष अदालत द्वारा सीएम सिद्धरमैया के खिलाफ लोकायुक्त जांच का आदेश दिए जाने के बाद उनके इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक एवं विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी के नेतृत्व में यहां विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया गया जिसमें पार्टी के कई विधायकों एवं नेताओं ने हिस्सा लिया। विधान सौध में विधानमंडल एवं सचिवालय है। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। उनके हाथों में तख्तियां थीं।*

## मानहानि याचिका पर फैसला

# राउत को 15 दिन की जेल सजा 30 दिन के लिए टली

एजेंसी ⏭ मुंबई

भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया द्वारा दायर मानहानि के मामले में मुंबई की एक अदालत ने गुरुवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत को 15 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई। बाद में अदालत ने सजा को 30 दिन के लिए टाल दिया और राज्यसभा सदस्य को उनकी अर्जी पर जमानत दे दी।

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (सिवड़ी अदालत) ने राज्यसभा सदस्य राउत को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि के लिए दंड) के तहत दोषी ठहराया और उन पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत के फैसले के बाद किरीट सोमैया ने कहा कि हमें अपना मामला दर्ज कराने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा और 28 महीने बाद हमें न्याय मिला। उन्होंने कहा कि हमने राउत के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन उस समय सीएम उद्धव ठाकरे के दबाव के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया। मेधा सोमैया ने वकील विवेकानंद गुप्ता के माध्यम से दायर अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि राउत ने उनके और उनके पति के खिलाफ निराधार तथा पूरी तरह से मानहानिकारक आरोप लगाए।

### मुझे बलि का बकरा बनाया गया: राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद दावा किया कि उन्हें बलि का बकरा बनाया गया है और वह इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देंगे। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने भी मामले की जांच की मांग की थी और राज्य विधानसभा में इस पर कुछ चर्चा भी हुई थी। अगर मैंने यह कहा तो मैंने किस प्रकार किसी को बदनाम किया? सब कुछ रिकॉर्ड में है। मीरा भयंदर नगर निगम की रिपोर्ट भी है। मैंने केवल यह पूछा कि क्या भ्रष्टाचार हुआ है? उन्होंने कहा कि लेकिन देश की पूरी न्यायपालिका ऊपर से नीचे तक आरएसएस से प्रभावित है। मैं सत्र अदालत में अपील करूंगा।

## बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

# फर्जी खबरों के संशोधित आईटी नियम रद्द, बताया असंवैधानिक

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय के तीसरे न्यायाधीश के फैसले के बाद गुरुवार को उच्च न्यायालय ने औपचारिक रूप से संशोधित आईटी नियमों को रद्द कर दिया।

आईटी संशोधन का उद्देश्य सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ फैलाई जा रहीं फर्जी खबरों की रोकथाम करना था, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक बताकर संशोधित नियमों को रद्द कर दिया। इससे पहले 20 सितंबर को न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि

संशोधित नियम अस्पष्ट हैं और इनका सोशल मीडिया पर भी व्यापक प्रभाव पड़ सकता है और संशोधित आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया। इससे पहले इस साल की शुरुआत में एक खंडपीठ का इस मामले पर विभाजित मत सामने आया था, अब न्यायमूर्ति चंदुरकर ने भी संशोधित आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया है।

## हरियाणा चुनाव: अब तक 54.46 करोड़ की नकदी और अवैध शराब जब्त

# मतदाताओं को प्रलोभन से बचाने के लिए आयोग चौकस: अग्रवाल

⏭ नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव में नकदी, शराब और मादक पदार्थों का इस्तेमाल रोकने के लिए चुनाव आयोग सख्त रूख अपना रहा है। राज्य में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा 16 अगस्त से 25 सितंबर तक प्रदेश में कुल 54.46 करोड़ रुपए की अवैध शराब, मादक पदार्थ, नकद राशि व कीमती वस्तुएं जब्त की गई हैं। इसके अलावा, 14 करोड़ रुपए मूल्य की पकड़ी गई विभिन्न वस्तुओं की जाँच भी जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा पुलिस के साथ-साथ अन्य एजेंसियों द्वारा भी लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य में पुलिस, आयकर विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग, राज्य वस्तु एवं सेवा कर, रेलवे सुरक्षा बल व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा उक्त कार्रवाई की गई है। अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव-2024 को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों के साथ-साथ आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित की जा रही है। मतदाताओं को किसी भी प्रकार के प्रलोभन से बचाने के लिए आयोग पूरी तरह सख्त है और राज्य में विभिन्न एजेंसियों द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ व नगद राशि की मूवमेंट पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

### *12.87 करोड़ की अवैध शराब जब्त*

*पंकज अग्रवाल ने बताया कि 18 करोड़ 82 लाख रुपए से अधिक की नकद राशि पुलिस, आयकर विभाग व राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग व अन्य एजेंसियों द्वारा जब्त की गई। इसी प्रकार, विभिन्न एजेंसियों द्वारा कुल 12.87 करोड़ रुपए से अधिक की 388429 लीटर से अधिक अवैध शराब पकड़ी गई है। इसमें, हरियाणा पुलिस द्वारा 9.24 करोड़ रुपए से अधिक की 274449 लीटर तथा आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा 3.55 करोड़ रुपए से अधिक की 112677 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई है। इसके अलावा, राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग, रेलवे सुरक्षा बल व अन्य एजेंसियों द्वारा भी 7 लाख से अधिक राशि की 1303 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई है।*

### *8.46 करोड़ के मादक पदार्थ किए जब्त*

*पंकज अग्रवाल ने बताया कि एजेंसियों द्वारा कुल 2866 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी कीमत 8.46 करोड़ रुपए से अधिक है। इनमें पुलिस द्वारा 7.62 करोड़ रुपए से अधिक की कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 59 लाख रुपए तथा रेलवे सुरक्षा बल ने 0.35 लाख रुपए कीमत के मादक पदार्थ पकड़े है। इसके अलावा, अन्य एजेंसियों द्वारा भी 24 लाख रुपए से अधिक के मादक पदार्थ पकड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस व अन्य एजेंसियों ने 9.05 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 97602 ग्राम कीमती धातुएं (सोना, चांदी इत्यादि) पकड़ी हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य पुलिस व अन्य एजेंसियों ने 5.23 करोड़ रुपए से अधिक की अन्य वस्तुएं भी पकड़ी है।*

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)